संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 134
पृष्ठ 8
सोमवार
02 फरवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- विटामिन डी की कमी को दूर...

विचार- गुरु जी की शिक्षाएं अपना...

खेल- भारत के पांच शहर करेंगे...

'सुधार एक्सप्रेस' अपनी राह पर है, सरकार इस गति को बनाए रखेगी -वित्त मंत्री

बजट में आम आदमी, स्टूडेंट और बुजुर्गों को खास तोहफे

नई दिल्ली,एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को लोकसभा में बजट 2026 पेश किया। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का यह दूसरा पूर्ण बजट है। वित्त मंत्री के तौर पर निर्मला सीतारमण का यह नौवां बजट है। इस बजट में समाज के तीन मुख्य स्तंभों– महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों के विकास पर खास जोर दिया गया है। सरकार ने इन वर्गों के कल्याण के लिए नई योजनाओं और राहत पैकेजों का एलान किया है, जिससे सामज के इन वर्गों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जा सके। बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए भी कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। बजट 2026 में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सरकार ने महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए कई नई योजनाओं का एलान किया है। इन घोषणाओं का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करना और उन्हें सुरक्षित माहौल देना है। महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार दस हजार करोड़ रुपये की लागत से सीमार्ट स्थापित करेगी। यह प्लेटफॉर्म महिला उद्यमियों को अपने उत्पाद बेचने और नए बाजारों तक पहुंचने में मदद करेगा। इसके साथ ही, स्टार्टअप और एमएसएमई क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं के लिए लोन लेना अब पहले से कहीं ज्यादा आसान होगा। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ी महिलाओं को इस सुविधा का सबसे अधिक लाभ मिलेगा।

कामकाजी महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शहरों में वर्किंग वुमन हॉस्टल और क्रेच (शिशु गृह) सुविधाओं के विस्तार का फैसला लिया गया है। इससे महिलाएं अपनी नौकरी और परिवार के बीच बेहतर संतुलन बना सकेंगी। इसके अलावा, सरकार ने हर जिले में गर्ल्स हॉस्टल खोलने का भी एलान किया है, जिससे छात्राओं को पढ़ाई के लिए सुरक्षित और बेहतर माहौल मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए लखपति दीदी योजना का दायरा बढ़ाया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि गांवों में रहने वाली महिलाओं की आय को स्थायी बनाया जाए। साथ ही, मैन्युफैक्चरिंग, टेक्सटाइल और केयर सेक्टर में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष स्किल प्रोग्राम शुरू किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए महिलाओं को नई तकनीक और काम करने के आधुनिक तरीके सिखाए जाएंगे।

डिजिटल इंडिया अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को डिजिटल साक्षरता और बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने पर भी जोर दिया गया है। जनधन खातों के जरिए महिलाओं की वित्तीय पहुंच बढ़ाई जाएगी। सरकार को उम्मीद है कि इन सभी घोषणाओं से देश की आधी आबादी को विकास की मुख्यधारा में शामिल होने के ज्यादा मौका मिलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2026 को युवा शक्ति से प्रेरित बजट करार दिया है। उन्होंने बताया कि यह देश का पहला ऐसा बजट है जो कर्तव्य भवन में तैयार हुआ है। सरकार का पूरा ध्यान रोजगार बढ़ाने और युवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने पर है। वित्त मंत्री ने कहा कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) भविष्य की जरूरत है और यह देश को तेजी से आगे ले जाएगा। बजट 2026 में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में युवाओं के लिए कई बड़े एलान हुए हैं। देश में तीन नए फार्मास्युटिकल शिक्षा संस्थान और तीन नए आयुर्वेद कॉलेज खोले जाएंगे। औद्योगिक और लॉजिस्टिक गलियारों के पास पांच यूनिवर्सिटी टाउनशिप बनाई जाएंगी। पर्यटन क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटैलिटी की स्थापना होगी। साथ ही, 20 प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों पर दस हजार गाइड्स का कौशल बढ़ाने की योजना शुरू होगी। तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी मुंबई की मदद ली जाएगी। इसके तहत 15,000 माध्यमिक स्कूलों और 500 कॉलेजों में AVGC कंटेंट क्रिएटर लैब बनाई जाएंगी। इससे एनीमेशन, गेमिंग और विजुअल इफेक्ट्स के क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। सरकार एआई,

बजट 2026 को पीएम मोदी ने बताया गेम चेंजर बोले-

विकसित भारत की उड़ान के लिए मजबूत नींव

नई दिल्ली,एजेंसी। आज वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में वित्त वर्ष 2026–27 का बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने कई क्षेत्रों के लिए बड़े एलान किए। इसके बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आज का बजट ऐतिहासिक है। इसमें देश की नारी शक्ति का सशक्त प्रतिबिंब झलकता है। महिला वित्त मंत्री के रूप में निर्मला जी ने लगातार नौवीं बार देश का बजट प्रस्तुत कर नया रिकॉर्ड बनाया है। ये बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है। ये बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है। ये भारत के उज्जवल भविष्य की नींव को भी सशक्त करता है। ये बजट 2047 के विकसित भारत की हमारी ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। आज भारत जिस रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार है, इस बजट से उसे नई ऊर्जा और गति मिलेगी। जो क्रांतिकारी सुधार किए गए हैं, उससे साहसी और प्रतिभाशाली युवाओं को उड़ने के लिए खुला आसमान देते हैं। ये बजट ट्रस्ट बेस्ड गवर्नेंस और ह्यूमन सेंट्रिक अर्थव्यवस्था के विजन को साकार करता है। आज का बजट ऐसा अनोखा है, जिसमें आर्थिक घाटे को कम करने पर फोकस किया गया है। महंगाई पर अंकुश लगाने पर भी जोर दिया गया है। बजट में हाई कैपेक्स और हाई ग्रोथ का भी समन्वय है। ये बजट भारत की वैश्विक भूमिका को नए सिरे से सशक्त करता है।

बजट पर राहुल गांधी बोले-

सरकार ने देश के संकट को नजरअंदाज किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026–2027 की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह भारत के वास्तविक संकटों को नजरअंदाज करता है और सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाता। एक्त पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं और घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि किसान संकट में हैं। राहुल गांधी ने कहा कि युवा बेरोजगार हैं। विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है। निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं। घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है। किसान संकट में हैं। वैश्विक संकटों का खतरा मंडरा रहा है – इन सब की अनदेखी की जा रही है। एक ऐसा बजट जो सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाता, भारत के वास्तविक संकटों को नजरअंदाज करता है। केंद्रीय बजट रविवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किया गया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बजट को फीका बताया। उन्होंने कहा कि बजट भाषण में प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हालांकि दस्तावेजों का विस्तार से अध्ययन करना आवश्यक है, लेकिन 90 मिनट के बाद यह स्पष्ट हो जाता है कि बजट 2026/27 इसके प्रचार के अनुरूप बिल्कुल भी नहीं है। यह पूरी तरह से नीरस था। भाषण भी अपारदर्शी था क्योंकि इसमें प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बजट में देश की गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए नीतिगत दूरदर्शिता और राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है।

सीएम योगी बोले-करेंगे

हर वर्ग के लोगों का रखा गया ध्यान

लखनऊ,संवाददाता। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतरमण ने रविवार को केंद्रीय बजट प्रस्तुत किया। इस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस बजट में नए भारत व विकसित भारत की संकल्पना साफ दिखती है। रेल कॉरिडोर, आयुष और हेल्थ सेक्टर को महिलाओं पर केंद्रित करके जोर देना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि छात्राओं या फिर कामकाजी महिलाओं के लिए, स्टैटिक्स से जुड़ी छात्राओं के लिए छात्रावास का निर्माण करना, युवाओं के सपने को नई उड़ान देने के लिए, हर सेक्टर में अवसर उपलब्ध हो, इसका ध्यान रखा गया है। सीएम ने कहा कि यह बजट आम नागरिक के जीवन को सहज और सरल बनाने में सहयोग करेगा। अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने में सहायक होगा। युवाओं, महिलाओं, उद्यमियों, अन्नदाता किसानों और आम नागरिक के लिए भी नए अवसर प्रदान करने वाला है। इन्कम टैक्स एक्ट अप्रैल से लागू करना और उसका सरलीकरण करना, ताकि हर व्यक्ति आसानी से आईटीआर भर सके, यह स्वागत योग्य कदम है।

बलूचिस्तान पर भारत ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

दमन, क्रूरता और मानवाधिकार हनन का इतिहास जगजाहिर

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने रविवार को बलूचिस्तान में शांति भंग करने में कथित भारतीय भूमिका को लेकर पाकिस्तान के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय ने इन आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि यह पाकिस्तान की अपनी आंतरिक विफलताओं से ध्यान हटाने की पुरानी रणनीति है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, शहम पाकिस्तान की ओर से लगाए गए बेबुनियाद आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हैं। ये उसकी अपनी आंतरिक समस्याओं से ध्यान भटकाने की सदाबहार रणनीति के अलावा कुछ नहीं हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि हर बार किसी हिंसक घटना के बाद इस तरह के निराधार आरोप दोहराने के बजाय पाकिस्तान को क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांगों पर ध्यान देना चाहिए। जायसवाल ने पाकिस्तान के रिकॉर्ड का हवाला देते हुए कहा कि वहां दमन, क्रूरता और मानवाधिकार उल्लंघनों का इतिहास जगजाहिर है। भारतीय विदेश मंत्रालय की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान सेना के उस दावे के बाद आई है, जिसमें कहा गया था कि भारत बलूचिस्तान में शांति भंग करने के प्रयासों में शामिल आतंकवादी तत्वों का समर्थन कर रहा है। पाकिस्तान सेना के अनुसार, बलूचिस्तान प्रांत में चलाए गए कई आतंकवाद–रोधी अभियानों में कम से कम 15 पाकिस्तानी सैनिक और 92 उग्रवादी मारे गए हैं। सेना ने बताया कि ये अभियान तब शुरू किए गए, जब जातीय बलूच समूहों से जुड़े उग्रवादियों ने क्वेटा, मस्तूंग, नुश्की, दल्बंदीन, खारन और पंजगुर सहित कई इलाकों में हमले किए। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा कि ये हमले प्रांत में क्वेटा, ग्वादर, मकरम, हुब, चमन, नसीराबाद सहित विभिन्न स्थानों पर किए गए।

बजट से बिहार को मिलेगी रफ्तार नितिश कुमार ने गिनाए फायदे, बोले-पीएम मोदी का यह दूरदर्शी कदम

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026–2027 का स्वागत करते हुए इसे सकारात्मक और प्रगतिशील बताया और राज्य के विकास, बुनियादी ढांचे और रोजगार के लिए इसके लाभों पर प्रकाश डाला। एक पोस्ट में नीतीश कुमार ने बजट की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह श्विकसित भारतश के लक्ष्य के अनुरूप है और राष्ट्रीय विकास को गति प्रदान करता है। बिहार के मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा ने कहा कि केंद्रीय बजट सकारात्मक और स्वागत योग्य है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत यह बजट विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। यह बजट प्रगतिशील और दूरदर्शी है। इस बजट के माध्यम से केंद्र सरकार ने देश के विकास की गति को तेज करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस बार, केंद्रीय बजट में देश में 7 हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर बनाने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि इनमें से वाराणसी– सिलीगुड़ी हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर से बिहार को भी काफी लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त, बजट में देश भर में 20 नए राष्ट्रीय जलमार्ग बनाने की घोषणा की गई है। इसके तहत पटना और वाराणसी में जहाज मरम्मत की सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी। जलमार्गों के विस्तार से बिहार के कई शहरों को लाभ होगा, राज्य के उत्पादों के निर्यात में वृद्धि होगी और वाणिज्यिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। नीतीश कुमार ने बड़े कपड़ा पार्कों, महात्मा गांधी रोजगार योजना और सेमीकंडक्टर के लिए 40,000 करोड़ रुपये की सहायता के प्रावधानों पर प्रकाश डाला, जिससे उन्होंने कहा कि बिहार सहित देशभर में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

तीन साल में सिर्फ टंकी का ढांचा बना, पानी आने का इंतजार

प्रयागराज। बहादुरपुर विकास खंड के सराय नूरुद्दीनपुर(उर्दीसराय) गांव में जल जीवन मिशन के तहत प्रस्तावित पेयजल योजना तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी पूरी नहीं हो सकी है। तय समय सीमा में कार्य नहीं पूरा होने से ग्रामीणों की उम्मीदें टूटती नजर आ रही हैं। वर्ष 2022– 23 में स्वीकृत इस योजना का निर्माण कार्य 2025 तक पूर्ण होना था। योजना के अंतर्गत सराय नूरुद्दीनपुर गांव में तीन वर्ष में टंकी का ढांचा ही बन सका है। इसके अलावा ट्यूबवेल के लिए बोर किया गया पर कई बार कंप्रेशर चलाने के बावजूद भी बोर सफल नहीं हुआ। कार्यदायी

संस्था द्वारा दोबारा बोर करने के लिए कहा गया पर अभी तक बोर नहीं किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि गांव में अभी तक पाइप लाइन तक नहीं बिछाई गई। योजना में लापरवाही की शिकायत जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों से की लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीण रामेंद्र, मन्ना, धर्मेंद्र, वीर बहादुर, रामू का कहना है कि योजना की धीमी गति में तेजी लानी जरूरी है। ताकि गांव के लोगों को जल जीवन मिशन के तहत स्वच्छ जल मिल सके। अधिशासी अभियंता जल निगम प्रवीण कुट्टी ने बताया योजना में करीब डेढ़ वर्ष से फंड नहीं होने के कारण काम रुका हुआ है। अब शासन से फंड मिलना शुरू हुआ है। फरवरी से अधूरे कार्य पूरे किए जाएंगे।

जांच के लिए पहुंचे अफसर, नहीं मिला चकमार्ग

प्रयागराज। ग्राम पंचायत सोढ़िया में मनरेगा सहित अन्य योजनाओं में भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने पहुंचे डीसी मनरेगा गुलाबचंद को न तो चकमार्ग मिला न ही फाइल। जबकि पांच माह पहले कागजों में चकमार्ग बनाकर तैयार हो गया था। सत्येंद्र तिवारी और प्रदीप तिवारी की शिकायत पर डीसी मनरेगा जांच करने पहुंचे थे। लेकिन, उन्हें फाइल तक नहीं मिली। बताया गया कि चकमार्ग विजईकेपुरा से लल्लन प्रसाद के घर तक दर्शाया गया है, लेकिन मौके पर न तो मार्ग का कोई स्पष्ट निशान मिला और न ही कार्य कराए जाने का प्रमाण। जांच के दौरान डीसी मनरेगा द्वारा संबंधित अभिलेख (फाइल) प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। लेकिन, ग्राम पंचायत और ब्लॉक स्तर से कोई भी फाइल मौके पर प्रस्तुत नहीं की जा सकी। डीसी मनरेगा ने संबंधित अफसरों को फाइल के साथ उपस्थित होने का निर्देश दिया है।

चफला गांव का रास्ता बदहाल, गड्ढों में तब्दील सड़क से ग्रामीण बेहाल

प्रयागराज। विकास खंड प्रतापपुर के पूर्वी छोर पर स्थित ग्राम पंचायत मखदूमपुर धनुपुर से जुड़े मजरा चफला मुहरवा गांव तक जाने वाला संपर्क मार्ग बदहाल हालत में पहुंच चुका है। सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे हजारों की आबादी को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों की शिकायतें अब तक सिर्फ आश्वासनों तक ही सीमित रह गई हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बलराज के घर के सामने से पटेल व विश्वकर्मा बस्ती होते हुए चफला मुहरवा गांव तक जाने के लिए यही एकमात्र मार्ग है। वर्षों पहले ग्राम विकास योजना के तहत मनरेगा मजदूरों से एक–दो बार मिट्टी डालने का कार्य कराया गया था, लेकिन उसके बाद सड़क की हालत जस की तस बनी हुई है। गांव के राम निरंजन, सोभनाथ विश्वकर्मा, शिवशंकर यादव, लालजी, भानु पटेल ने गांव तक पक्की सड़क बनवाने की मांग की थी। लेकिन, अभी तक ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

विभिन्न मांगों को लेकर मजदूर सभा ने घेरा थाना

प्रयागराज। क्षेत्र के बीकर में शुक्रवार को बिजली का बिल न जमा करने वालों के कनेक्शन काटे गए। जिस वजह से ग्रामीणों ने शनिवार को अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के बैनर तले गांव से रैली निकाली। रैली भीटा विद्युत उपकेंद्र पहुंची। यहां नारेबाजी की गई। विभाग का अधिकारियों के न होने पर वह घूरपुर थाने पहुंच गए। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उनका ज्ञापन कोई नहीं लेगा तब तक वह बैठे रहेंगे। लगभग एक घंटे बाद थाना प्रभारी दिनेश सिंह पहुंचे तो उन्होंने मजदूर नेताओं का ज्ञापन लिया। मजदूरों ने मांग की है कि जिस तरह दिल्ली, बिहार, छत्तीसगढ़ आदि कई प्रांतों में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त में दी जा रही हैं, उसी तरह उत्तर प्रदेश की सरकार को भी ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बिजली देना चाहिए। स्मार्ट मीटर योजना को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए। यह भी कहा कि 2019 से यमुना के घाटों को बंद कर दिया गया। उक्त आदेश को रद्द किया जाए। धरने की अगुवाई राजकुमार पथिक, विनोद शैलानी, सुरेश कुमार निषाद, सुरेश चंद्र ने की।

सहकारी समितियों में नहीं है यूरिया, किसान परेशान

प्रयागराज। साधन सहकारी समितियों में यूरिया न होने के चलते किसानों को परेशान होना पड़ रहा है। वहीं, निजी दुकानदारों के यहां यूरिया डंप पड़ी हुई है। किसानों का कहना है कि वह महंगे दाम में खाद बचे रहे हैं। शिकायत के बाद भी जिम्मेदार लापरवाह बने हुए हैं। मेजा की कई समितियों में खाद नहीं होने से किसान परेशान हैं। मेजा ब्लॉक के एडीओ कोऑपरेटिव एसएन दूबे का दावा है कि छह समितियों में यूरिया की किल्लत नहीं है। अमोरा के किसान आनंद तिवारी ने बताया कि पखवाड़े भर से तेंदुआ साधन सहकारी समिति से यूरिया गायब है। वहीं मेजिया के किसान रामबाबू ने बताया कि साधन सहकारी समिति लक्षनकापूरा की पॉस मशीन में आई तकनीकी खराबी से यूरिया नहीं मिल पा रही है। एडीओ कोऑपरेटिव एसएन दूबे ने बताया कि पॉस मशीन खराब होने की वजह से ही साधन सहकारी समिति लक्षनकापूरा से जुड़े 16 सौ किसानों को कोंहड़ार समिति में संबद्ध किया गया है।

त्रिवेणी पर आस्था का महासागर, करोड़ों श्रद्धालुओं ने किया स्नान

प्रयागराज। प्रयागराज में माघी पूर्णिमा पर पवित्र स्नान करने वालों का संगम नोज का तांता अलसुबह ही लग गया। रविवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। संगम घाट पर एटीएस भी तैनात है।

दो बजे तक 1 करोड़ 82 लाख श्रद्धालुओं ने किया स्नान

माघी पूर्णिमा के पावन स्नान पर्व पर दोपहर दो बजे तक लगभग 1 करोड़ 82 लाख लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई।

माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर शिवयोगी मौनी बाबा ने दंडवत परिक्रमा करते हुए संगम पहुंचे और डुबकी लगाई। हर–हर महादेव और जय गंगा मैया के जयकारों के बीच स्नन किया। उनके साथ बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश पहुंचे संगम नोज पर। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

माघ मेले में अब तक 20 करोड़ 50 लाख श्रद्धालुओं के स्नान का दावा

माघ मेला में अब तक 20 करोड़ 50 लाख लोगों के स्नान करने का दावा मेला प्रशासन ने किया है। माघी पूर्णिमा के पावन स्नान पर्व पर दोपहर 12 बजे तक लगभग 1 करोड़ 50 लाख लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई। माघी पूर्णिमा कल्पवासियों के लिए अंतिम स्नान पर्व माना जाता है। आज स्नान करने केबाद श्रद्धालु अपने घरों के लिए रवाना हो जाएंगे। मेले में जगह–जगह

सत्यनारायण भगवान की कथा चल रही है। साथ ही कल्पवासी अपने सामान समेटने भी जुए हैं। प्रयागराज में माघ पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालु पावन स्नान और अनुष्ठान कर रहे हैं। प्रयागराज में माघी पूर्णिमा के मौके पर जगद्गुरु स्वामी नरेंद्र नंद ने कहा कि इस दौरान त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करने से जीवन में पवित्रता आएगी और नकारात्मक प्रवृत्तियां खत्म होंगी... अगर लोग सनातन धर्म अपनाते हैं, तो दुनिया में शांति और सद्भाव होगा... यहां की व्यवस्थाएं अच्छी हैं...

माघी पूर्णिमा के मौके पर श्रद्धालु पवित्र स्नान कर रहे हैं और पूजा–पाठ कर रहे हैं। मेले के अधिकारी ऋषि राज ने कहा, हम रात 12 बजे से यहां हैं। तब से पवित्र स्नान जारी है... सुबह 8 बजे तक लगभग 90 लाख लोगों ने पवित्र स्नान किया है। हमारी खोया–पाया सेवा एक्टिव है... हम भीड़ की निगरानी कर रहे हैं... मुख्य मकसद यह है कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो... हमने एक ह्यूमन चेन बनाई और भीड़ को यमुना किनारे की ओर मोड़ा...

दिव्यांग प्रमाणपत्र पर अस्थायी लिखा होने से अब निरस्त नहीं होगा आवेदन

प्रयागराज। रेलवे भर्ती की तैयारी कर रहे हजारों दिव्यांग युवाओं के लिए रेलवे बोर्ड ने एक बड़ा निर्णय लिया है। अब केवल दिव्यांगता प्रमाणपत्र पर 'अस्थायी' शब्द लिखा होने से किसी भी उम्मीदवार का आवेदन खारिज नहीं किया जाएगा।

रेलवे भर्ती की तैयारी कर रहे हजारों दिव्यांग युवाओं के लिए रेलवे बोर्ड ने एक बड़ा निर्णय लिया है। अब केवल दिव्यांगता प्रमाणपत्र पर 'अस्थायी' शब्द लिखा होने से किसी भी उम्मीदवार का आवेदन खारिज नहीं किया जाएगा। रेलवे बोर्ड के संयुक्त निदेशक (स्थापना) गौतम मोंडाली ने उत्तर मध्य रेलवे समेत सभी जोनों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

अमूमन भर्ती के दौरान 'अस्थायी' श्रेणी के सर्टिफिकेट वाले युवाओं को अयोग्य घोषित कर दिया जाता था। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी की शारीरिक स्थिति ऐसी है जो समय के साथ बढ़ सकती है (प्रोगेसिव), जिसमें कोई बदलाव नहीं होना है (नॉन प्रोगेसिव) या जिसके भविष्य में ठीक होने की कोई संभावना नहीं है तो उसे आरक्षण के उद्देश्य से 'स्थायी' ही माना जाएगा। तकनीकी शब्दों के जाल में उलझकर अब किसी योग्य उम्मीदवार का हक नहीं छीना जा सकेगा।

नए नियमों के अनुसार, केवल उन्हीं प्रमाणपत्रों को आरक्षण के लाभ से बाहर रखा जाएगा जिन पर स्पष्ट रूप से 'सुधार की संभावना' लिखा होगा। बोर्ड ने यह भी निर्देश दिया है कि यदि किसी का सर्टिफिकेट अस्थायी श्रेणी का है तो उन्हें 'दिव्यांगजन अधिकार नियम 2024' के तहत दोबारा जांच कराकर पात्रता साबित करने का मौका दिया जाए। उत्तर मध्य रेलवे के सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि बोर्ड के इन मानवीय और छात्र–हितैषी निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है।

केंद्रीय विद्यालय के शिक्षकों के लिए लागू की जाएगी एमएसीपी योजना, धर्मेंद्र प्रधान से मिले शिक्षक

प्रयागराज। अखिल भारतीय केंद्रीय विद्यालय शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने महासचिव केपी सिंह के नेतृत्व में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिलकर बैठक की। इसमें शिक्षकों ने अपनी समस्याएं रखीं।

अखिल भारतीय केंद्रीय विद्यालय शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने महासचिव केपी सिंह के नेतृत्व में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मिलकर बैठक की। इसमें शिक्षकों ने अपनी समस्याएं रखीं। इसमें कॅरिअर प्रगति योजना के 16 वर्षों से लंबित कार्यान्वयन पर भी चर्चा हुई, जिसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने केवीएस आयुक्त को छह से आठ माह के भीतर एमएसीपी योजना के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने और फिर इसे लागू करने का आदेश

दिया। धर्मेंद्र प्रधान केंद्रीय विद्यालय संगठन के पदेन अध्यक्ष भी हैं। बैठक में स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मुख्य सचिव संजय कुमार, केवी उपाध्यक्ष प्राची पांडेय, आयुक्त विकास गुप्ता और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल के महासचिव केपी सिंह ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बताया कि वर्ष 2009 में केंद्र सरकार द्वारा लागू योजना के तहत सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को 10, 20 और 30 वर्ष की नियमित सेवा पूरी करने पर तीन वित्तीय उन्नयन प्रदान किए जाते हैं। लेकिन केवी में यह लाभ केवल गैर–शिक्षण कर्मचारियों तक सीमित रहा है, जबकि शिक्षकों को इससे वंचित रखा गया। वर्तमान में शिक्षकों को वर्ष 1987 से चली आ रही पुरानी व्यवस्था के तहत सिर्फ दो कॅरिअर प्रगति 12 वर्ष सेवा के बाद सीनियर स्केल तथा 24 वर्ष के बाद सिलेक्शन स्केल ही मिलती है। यह व्यवस्था केवल सीमित वित्तीय लाभ देती है।

सड़े अंडे के बीच 55 लाख की 435 पेटी शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

प्रयागराज। एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने अंतरराज्यीय शराब तस्करी के आरोप में दो तस्करों को जौनपुर के मछलीशहर स्थित आयुष्मान आरोग्य उपकेंद्र के पास से गिरफ्तार किया है।

एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने अंतरराज्यीय शराब तस्करी के आरोप में दो तस्करों को जौनपुर के मछलीशहर स्थित आयुष्मान आरोग्य उपकेंद्र के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी डीसीएम में सड़े अंडे व ट्रे के बीच शराब छिपाकर तस्करी कर रहे थे। मुरादाबाद के थाना सिविल लाइंस दीन दयाल नगर निवासी आरोपी पंकज और वाराणसी के पांडेयपुर निवासी प्रिंस श्रीवास्तव के कब्जे से पुलिस ने शराब की 435 पेटी बरामद की है।

बरामद पेटी की अनुमानित कीमत 55 लाख रुपये आंकी गई है। एसटीएफ को सूचना मिली कि हरियाणा व चंडीगढ़ से एक आइसर डीसीएम में लदी अवैध अंग्रेजी शराब को जौनपुर हाईवे के रास्ते मछलीशहर की तरफ ले जाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ शैलेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में निरीक्षक जय प्रकाश राय की टीम ने उक्त आरोपियों को दबोच लिया।

डीसीएम की सघन तलाशी के दौरान लदे सड़े अंडे व खाली ट्रे की आड़ में अवैध अंग्रेजी शराब को छिपाकर रखा गया था। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि अंग्रेजी शराब की तस्करी का उनका एक सक्रिय गिरोह है। जिसका सरगना हरियाणा कुरुक्षेत्र के थानेसर सेक्टर–30 निवासी प्रवीन कुमार और चंडीगढ़ सेक्टर–22 निवासी राजेंद्र सिंह है।

एसटीएफ के मुताबिक, आरोपियों ने बताया कि उक्त शराब को हरियाणा से लोड कराया गया था। जिसे वह उनके बताए हुए स्थान पर बेचने व पहुंचाने के लिए ले जा रहे थे। अधिक लाभ के लिए अवैध शराब को बिहार व झारखंड में ले जाकर बेचा जाता है। विभिन्न राज्यों के स्थानीय शराब तस्करों व सप्लायरों की हरियाणा व पंजाब के गिरोह से आपस में सोशल मीडिया के माध्यम से वार्ता होती है।

गंगा तटों पर तड़के से लाखों की भीड़

प्रयागराज। गंगा तटों पर तड़के से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा होने लगी थी। पवित्र स्नान करने वालों का संगम नोज पर तांता अल सुबह ही लग गया। मेला प्रशासन का दावा है कि सवेरे 6 बजे तक करीब 60 लाख श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके थे। माघी पूर्णिमा पर श्रद्धालु संगम में पवित्र डुबकी लगा रहे हैं। गंगा तटों पर तड़के से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जमा होने लगी थी। पवित्र स्नान करने वालों का संगम नोज पर तांता अल सुबह ही लग गया। रविवार सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है।

पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ पूरे माघ माह कल्पवास करने वाले श्रद्धालु आज माघ पूर्णिमा का स्नान कर अपने घरों की ओर प्रस्थान करेंगे। संगम नोज से लाइव रिपोर्टिंग कर रहे अमर उजाला के वरिष्ठ रिपोर्टर मुनेंद्र वाजपेई के मुताबिक सुबह पांच बजे ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ स्नान के लिए उमड़ने नहीं थी। सुबह छह बजे तक लाखों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की त्रिवेणी में स्नान कर चुके थे। माघ मेले के पांचवें स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर रविवार को श्रद्धालु शुभ मुहूर्त में पुण्य की डुबकी लगा रहे हैं। मुहूर्त सुबह से देर रात तक का है। पूर्णिमा स्नान के साथ कल्पवास का संकल्प भी पूरा हो जाएगा। एक महीने से टिके कल्पवासी संगम की रेती ले विदा होंगे। सोमवार से गंगा तट पर वही रह जाएंगे, जिन्होंने संक्रांति से कल्पवास आरंभ किया है। ऐसे श्रद्धालु महाशिवरात्रि तक क्षेत्र में रहेंगे। प्रशासन का दावा है कि पूर्णिमा पर 50 से 70 लाख श्रद्धालु 24 घाटों पर स्नान करेंगे। यह आंकड़ा एक करोड़ के पार भी जा सकता है। कल्पवासियों के शिविरों में रविवार को सत्यनारायण कथा होगी। इससे पहले कई शिविरों में रामचरितमानस का अखंड पाठ शुरू हुआ, जिसका समापन भंडारे के साथ रविवार को होगा। माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रातः से ही अपार श्रद्धा, उत्साह और आस्था के साथ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान एवं पूजा–अर्चना आरंभ की। अब तक लगभग 60 लाख श्रद्धालु संगम में पावन डुबकी लगाकर भारत की सनातन संस्कृति एवं परंपराओं का साक्षात् दर्शन करा चुके हैं। सनातन परंपराओं का पालन करते कल्पवासियों एवं श्रद्धालुओं का यह विहंगम दृश्य आध्यात्मिक चेतना से ओतप्रोत है।

संदिग्ध हालात में कमरे में मृत मिला जौनपुर का प्रतियोगी छात्र, दम घुटने से मौत की आशंका

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र के गंगानगर गली नंबर नौ स्थित किराये के मकान में प्रतियोगी छात्र शुभम यादव (28) का संदिग्ध हालात में शव मिला। कमरे में मच्छर भगाने वाली क्वाइल के धुएं से दम घुटने से मौत की आशंका है। कैंट थाना क्षेत्र के गंगानगर गली नंबर नौ स्थित किराये के मकान में प्रतियोगी छात्र शुभम यादव (28) का संदिग्ध हालात में शव मिला। कमरे में मच्छर भगाने वाली क्वाइल के धुएं से दम घुटने से मौत की आशंका है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारण का पता चल सकेगा। कैंट थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मूलरूप से जौनपुर के थाना लाइन बाजार क्षेत्र स्थित हरका हुसैनाबाद निवासी शुभम यादव पिछले कई महीने से गंगानगर गली नंबर नौ स्थित एक मकान में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता था। शनिवार की शाम वह अपने कमरे से बाहर नहीं आया तो पड़ोस में रहने वाले अन्य छात्रों ने कमरे का दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई।

शोर–शराबे के बाद आसपास के लोग एकत्र हुए और मामले की जानकारी मकान मालिक और पुलिस को दी गई। दरवाजा तोड़ा गया तो कमरे में शुभम बेसुध पड़ा था। कमरे में मच्छर भगाने वाली क्वाइल का धुआं भरा हुआ था। कैंट थाना प्रभारी सुनील कनौजिया ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया गया है। परिजनों के आने के बाद रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

नैनो उर्वरक से बढ़ेगी पैदावार, घटेगी लागत : यतेंद्र तेवतिया

प्रयागराज। बदलते समय की कृषि व्यवस्था में नैनो उर्वरक किसानों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। इनके प्रयोग से उत्पादन में वृद्धि के साथ–साथ खेती की लागत में भी कमी आती है। यह बात इफको के राज्य विपणन प्रबंधक उत्तर प्रदेश यतेंद्र कुमार तेवतिया ने शनिवार को सेफखानपुर गांव में आयोजित किसान चौपाल में कही। उन्होंने कहा कि मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करने से फसलों को आवश्यक पोषक तत्व सही समय पर मिलते हैं और मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है। उन्होंने स्मार्ट नैनो उर्वरकों के प्रयोग पर जोर दिया। महिला कृषकों को खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उत्पाद तैयार कर उन्हें आय का साधन बनाने के लिए प्रेरित किया। कारडेट के प्रधानाचार्य डॉ. डीके सिंह ने जैव उर्वरक एवं जैव अपघटकों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए किसानों की खेती से जुड़ी समस्याओं का समाधान बताया। इस दौरान इफको किसान सेवा केंद्र प्रभारी अमन सिंह, बीडी सिंह, आईआरडीपी प्रभारी राजेश कुमार सिंह, जितेंद्र कुमार पटेल, सुमित तेवतिया, वीरेंद्र सिंह, अनारा देवी, शांति देवी, चंद्रकली, राम सजीवन, प्रेमचंद मौजूद रहे।

संक्षिप्त

सिर्फ 5 फीसदी लोगों के लिए है बजट-अखिलेश

लखनऊ, संवाददाता। केंद्रीय बजट 2026 को लेकर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जब भाजपा सरकार से ही किसी तरह की उम्मीद नहीं बची है तो उसके बजट से भी आम जनता को कोई उम्मीद नहीं करनी चाहिए। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि अब तक केंद्र सरकार द्वारा पेश बजट केवल 5 प्रतिशत लोगों के हित में हैं, जबकि देश की बड़ी आबादी–गरीब, किसान, मजदूर, मध्यम वर्ग और युवा–लगातार उपेक्षित रही है। बजट का असली उद्देश्य जनता के जीवन में राहत और खुशहाली होना चाहिए। गरीब की समझ से परे है ये बजट। यही हाल रहा तो लोहे पर पीतल चढ़ाकर जेवर बनाने पड़ेंगे। अखिलेश ने आरोप लगाया कि बजट के माध्यम से भाजपा अपने चुनिंदा लोगों को ष्सेटष करती है और उनकी आर्थिक तरक्की सुनिश्चित करती है, जबकि गरीबों और वंचितों की हालत जस की तस बनी रहती है।अखिलेश यादव ने सरकार के पुराने घोषणापत्र की याद दिलाते हुए स्मार्ट सिटी योजना पर भी सवाल उठाए। जिन शहरों को स्मार्ट सिटी बताया गया, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के बड़े–बड़े दावे किए गए, लेकिन हकीकत है कि खराब पानी पीने से लोगों की जान तक चली गई।उन्होंने पूछा कि खराब हवा से कितने लोगों की जान जा रही है और सरकार इसके लिए आखिर कर क्या रही है।युवाओं के रोजगार संकट और सामाजिक न्याय के सवाल पर भी सरकार को घेरते हुए भाजपा पर झूठे दावे करने का आरोप लगाया।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला है केंद्रीय बजट : कपिल देव

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि आज का दिन अत्यंत प्रसन्नता का है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सशक्त आधार प्रदान करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में अपना नौवां बजट प्रस्तुत किया है। यह बजट सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के अनुरूप भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। यह बजट भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने, निर्यात के क्षेत्र में देश को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने तथा युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने की ठोस रूपरेखा प्रस्तुत करता है। बजट में युवाओं को रोजगार, किसानों को सम्मान और उद्योगों विशेषकर एमएसएमई क्षेत्र को मजबूती देने के लिए 10 हजार करोड़ रुपये के प्रावधान किए गए हैं, जिससे देश की औद्योगिक क्षमता को नई गति मिलेगी। 5 लाख तक की आबादी वाले शहरों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की घोषणा अत्यंत सराहनीय है, जिससे उत्तर प्रदेश के अनेक शहरों सहित मुजफ्फरनगर को भी सीधा लाभ मिलेगा। बजट "युवा शक्ति–संचालित बजट" के रूप में उभरकर सामने आया है, जो विकसित भारत युवा नेता संवाद 2026 से प्राप्त विचारों से प्रेरित है। केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं बल्कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का सशक्त विजन है।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला ऐतिहासिक बजट–योगेंद्र उपाध्याय

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प, सबका साथदृसबका विकास की भावना और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किया गया नौवां केंद्रीय बजट ऐतिहासिक है। यह बजट ज्ञान, नवाचार, कौशल और उद्यमिता को केंद्र में रखकर देश की युवा शक्ति को सशक्त बनाने का ठोस रोडमैप प्रस्तुत करता है। बजट में उच्च शिक्षा को रोजगार, उद्यम और वैश्विक प्रतिस्पध र्ा से जोड़ने के लिए 'शिक्षा से रोजगार और उद्यम तक' एक उच्च–शक्ति वाली स्थायी समिति के गठन का प्रस्ताव दूरदर्शी कदम है। इससे भारत को सेवा क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व दिलाने की दिशा में ठोस रणनीति तैयार होगी और युवाओं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल उपलब्ध होगा। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने केंद्रीय बजट 2026–27 का स्वागत करते हुए कहा कि यह बजट शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित न रखकर उसे कौशल, स्टार्टअप, शोध और रोजगार से जोड़ने वाला है।

फर्जी साइन करवाकर वोट काटने की साजिश

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानि एसआईआर प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान फॉर्म–7 का दुरुपयोग कर एक श्साजिशश के तहत लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं।अखिलेश के मुताबिक गांवों में फर्जी आपत्तियां दाखिल कराई जा रही हैं और जाली हस्ताक्षरों के जरिए खासतौर पर पीडीए समाज पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यकऔर अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाताओं को निशाना बनाया जा रहा है। कई जगहों पर मतदाताओं को बिना सूचना दिए उनके नाम पर आपत्ति लगा दी जाती है और उन्हें पता तब चलता है जब सूची से नाम गायब हो जाता है। अखिलेश ने मामले को ष्महाघोटालाष बताते हुए न्यायालय, निर्वाचन आयोग और मीडिया से हस्तक्षेप की अपील की है। उन्होंने मांग की कि एसआईआर के तहत दाखिल की जा रही आपत्तियों की निष्पक्ष जांच हो, फर्जी आवेदन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए और किसी मतदाता का नाम बिना ठोस प्रमाण व उचित सुनवाई के न हटाया जाए। लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची की पारदर्शिता और निष्पक्षता जरूरी है।बीएलओ घर–घर जाकर सत्यापन करते हैं। फॉर्म–7 का उपयोग किसी मतदाता का नाम सूची से हटाने के लिए आपत्ति,दावा दर्ज कराने में होता है। अखिलेश यादव का आरोप है कि फॉर्म–7 के जरिए जानबूझकर बड़ी संख्या में नाम कटवाए जा रहे हैं। राज्य में एसआईआर प्रक्रिया के तहत 2.89 करोड़ लोगों के नाम काटे गए हैं। जिनके नाम कटे हैं उनसे सबसे ज्यादा लोग लखनऊ, गाजियाबाद से हैं। अकेले लखनऊ में ही 30 फीसदी नाम हटाए गए हैं। ड्राफ्ट सूची पर दावे और आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तारीख 6 फरवरी है। फाइनल वोटर लिस्ट 6 मार्च को जारी होगी। एसआईआर प्रक्रिया चुनाव से पहले मतदाता सूची को अपडेट करने, फर्जी,डुप्लीकेट नाम हटाने और मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के रिकॉर्ड दुरुस्त करने के लिए कराई जाती है।

श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज द्वारा माघी पूर्णिमा के अवसर पर माघ मेला में विशाल भंडारे का आयोजन

प्रयागराज। माघ मेला 2026 के पावन अवसर पर अरैल क्षेत्र में स्थित श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज, प्रयागराज के शिविर में माघी पूर्णिमा के शुभ दिन एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। आज का यह भंडारा अग्रवाल युवा महिला मंडल की सदस्य रीमा अग्रवाल की ओर से आयोजित किया गया। यह सेवा कार्यक्रम अग्रवाल युवा मंडल एवं अग्रवाल युवा महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, कल्पवासियों तथा मेला क्षेत्र में आए नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया।

भंडारे के दौरान सेवा, सहयोग और सामाजिक समरसता की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पूरे समर्पण भाव के साथ व्यवस्थाओं को संभालते हुए श्रद्धालुओं की सेवा की। आयोजन स्थल पर अनुशासन, स्वच्छता तथा सुव्यवस्थित सेवा व्यवस्था विशेष रूप से सराहनीय रही।

इस अवसर पर श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज, प्रयागराज के उपाध्यक्ष हरिश चन्द्र अग्रवाल (बिल्लू भैया), अग्रवाल युवा मंडल के अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, महामंत्री वैभव गोयल, मंत्री संकेत अग्रवाल, मंत्री येशा गोयल, प्रणव अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं अग्रवाल युवा महिला मंडल की ओर से महामंत्री डॉ. कीर्ति अग्रवाल, सदस्य रीमा अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य राहुल अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में महामंत्री अभिषेक मित्तल की विशेष उपस्थिति रही। अग्रवाल युवा मंडल के अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल ने कहा कि माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित यह भंडारा समाज की सेवा भावना का प्रतीक है और श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। वहीं अग्रवाल युवा महिला मंडल की महामंत्री डॉ. कीर्ति अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में आपसी सहयोग, करुणा और संगठनात्मक एकता को मजबूती मिलती है तथा महिला मंडल ने पूरे मनोयोग से इस सेवा कार्य में योगदान दिया। मीडिया प्रभारी मनीष गर्ग ने बताया कि श्री अग्रसेन अग्रवाल समाज, प्रयागराज द्वारा माघ मेला क्षेत्र में निरंतर सेवा कार्य किए जा रहे हैं, जो समाज की सामाजिक जिम्मेदारी और सामूहिक सहभागिता का सशक्त उदाहरण हैं। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन श्रद्धा, सेवा, सामाजिक समर्पण के भाव के साथ किया गया।

आरेडिका की उपलब्धियां बेहतरीन

रायबरेली। 'बनारस लिट फेस्ट' में भारतीय रेलवे की विरासत और आरेडिका की उपलब्धियों पर श्री प्रशांत कुमार मिश्रा का सारगर्भित वक्तव्य'

आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली, उत्तरप्रदेश एवं रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला पंजाब के महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने बनारस में 30 जनवरी से 01 फरवरी 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय प्रतिष्ठित "बनारस लिट फेस्ट" में सहभागिता की।

इस अवसर पर श्री मिश्रा ने आरेडिका में निर्मित अत्याधुनिक रेल कोचों, फोर्ज्ड व्हीलों तथा आरेडिका में निर्मित पहली वंदे भारत ट्रेन के निर्माण और तकनीकी विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके वक्तव्य ने भारतीय रेलवे की निर्माण क्षमता, तकनीकी दक्षता एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में हो रही उल्लेखनीय प्रगति को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के दौरान श्री प्रशांत कुमार मिश्रा ने भारतीय रेलवे के इतिहास पर आधारित अपनी चर्चित पुस्तक 'रेल्स थ्रू राज' के बारे में भी उत्साही श्रोताओं को अवगत कराया। यह पुस्तक प्राथमिक ऐतिहासिक स्रोतों पर आधारित है तथा ब्रिटिश काल में भारतीय रेलवे के विकास को वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं तथ्यात्मक विश्लेषण के साथ प्रस्तुत करती है।

श्री मिश्रा की गहन शोधपरक दृष्टि एवं प्रभावशाली लेखन शैली ने इस कृति को सामान्य पाठकों के साथ–साथ इतिहास एवं रेलवे विषयक शोधकर्ताओं के लिए भी अत्यंत उपयोगी एवं रुचिकर बना दिया है। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यप्रेमियों एवं विद्वानों ने उनके विचारों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। श्री मिश्रा के साथ वार्ता ष्बनारस लिट फेस्टष कार्यक्रम के सदस्य अमित सिंह ने की।

माघी पूर्णिमा पर मदद फाउंडेशन ने किया विशाल निःशुल्क भंडारे का आयोजन, सैकड़ों श्रद्धालुओं को कराया भोजन

प्रयागराज। माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर संगम नगरी प्रयागराज में आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे देश–विदेश से आए लाखों श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से मदद फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप निःशुल्क भोजन, स्वच्छ पेयजल एवं बिस्किट वितरित किए गए।

संस्था द्वारा प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से संचालित की जाने वाली रविवार की रसोई के 183वें सप्ताह को विशेष निर्णय लेते हुए माघ मेले में आए स्नानार्थियों की सेवा हेतु भंडारे के रूप में परिवर्तित किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार तय समय पर संस्था की पूरी टीम सेवा स्थल पर उपस्थित रही और पूरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया।

भंडारे के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बावजूद सेवा कार्य अनुशासन और समर्पण के साथ संपन्न किया गया। भोजन वितरण के साथ–साथ पानी और बिस्किट की भी व्यवस्था की गई, जिससे स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। श्रद्धालुओं ने संस्था के इस सेवा भाव की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

यह सेवा कार्यक्रम संस्था के मार्गदर्शक पं. कैलाश नाथ तिवारी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संस्थापक मंगला प्रसाद तिवारी, राष्ट्रीय सचिव अमृता तिवारी, प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह, जिलाध्यक्ष अरविंद पांडेय, वरिष्ठ सदस्य यश शर्मा, राजेंद्र पाल सहित संस्था के दर्जनों पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई।

इस अवसर पर संस्था प्रदेश अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि माघ मेला जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की सेवा करना ही वास्तविक मानव सेवा है। मदद फाउंडेशन समाज के जरूरतमंद वर्ग की सहायता हेतु निरंतर कार्य करता रहा है और भविष्य में भी इसी तरह के सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

अपोलो हॉस्पिटल्स ने 'उमंग- सेलिब्रेशन ऑफ लाइफ' का आयोजन कर कैंसर योद्धाओं को किया सम्मानित'

लखनऊ, संवाददाता। अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ ने "उमंग–सेलिब्रेशन ऑफ लाइफ" कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। यह भावनात्मक कार्यक्रम कैंसर से जूझकर जीत हासिल करने वाले लोगों और उनके देखभाल करने वालों के साहस, हिम्मत और प्रेरणादायक सफर को समर्पित था। कानपुर रोड स्थित होटल हॉलिडे इन में हुए इस आयोजन में एक सौ पचास से अधिक कैंसर सर्वाइवर, उनके परिवार के सदस्य, डॉक्टर, केयरगिवर और खास मेहमान शामिल हुए। पूरा माहौल उम्मीद, धन्यवाद और साहस से भरा रहा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध शिक्षक और मोटिवेशनल स्पीकर व दृष्टि आईएएस और दृष्टि पब्लिकेशंस के संस्थापक, एमडी और सीईओ श्री विकास दिव्यकीर्ति मौजूद रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कैंसर योद्धाओं की अदम्य इच्छाशक्ति की सराहना की और उन्हें साहस, अनुशासन और अंदरूनी ताकत का जीवंत उदाहरण बताया, जो पूरे समाज को प्रेरणा देते हैं।कार्यक्रम में अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ के एमडी और सीईओ डॉ. मयंक सोमानी, वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. हरित चतुर्वेदी, अपोलो हॉस्पिटल्स की रेडिएशन स्पेशलिस्ट ऑन्कोलॉजी डॉ. सपना नांगिया और सीआरपीएफ के पूर्व महानिदेशक ए. पी. महेश्वरी भी मौजूद रहे। उनकी उपस्थिति ने यह दिखाया कि कैंसर के इलाज और सर्वाइवरों के बेहतर जीवन के लिए सब मिलकर काम कर रहे हैं। उमंग' ने यह मजबूत संदेश दिया कि कैंसर के बाद भी जिंदगी न सिर्फ संभव है, बल्कि बहुत मायने रखती है। कार्यक्रम में पाँच कैंसर सर्वाइवरों ने अपने इलाज और ठीक होने के सफर को सबके साथ साझा किया। उनकी बातें सुनकर लोगों को हिम्मत और उम्मीद मिली। इसके साथ ही कैंसर सर्वाइवरों द्वारा नृत्य और गायन की प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जो आत्मविश्वास, खुशी और बीमारी पर इंसानी जीत का प्रतीक रहीं। शाम को और भी भावनात्मक गहराई तब मिली जबअपोलो हॉस्पिटल्स के स्टाफ द्वारा प्रस्तुत एक नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें कैंसर के इलाज के दौरान संवेदना, भावनात्मक सहारे और टीमवर्क की अहम भूमिका को दिखाया गया।पूर्व डीजी, सीआरपीएफ श्री ए. पी. माहेश्वरी ने कहा, "कैंसर वॉरियर्स और उनके परिवार समाज के लिए प्रेरणा हैं। ऐसे कार्यक्रम लोगों को संवेदनशील बनाते हैं और यह समझने में मदद करते हैं कि एक–दूसरे का साथ कितना जरूरी होता है।" इस मौके पर 'उमंग' के संरक्षक डॉ. मयंक सोमानी ने कहा, "उमंग उन लोगों को हमारा सलाम है जो यह साबित करते हैं कि हिम्मत डर से बड़ी होती है और उम्मीद हर मुश्किल पर भारी पड़ती है। अपोलो हॉस्पिटल्स लखनऊ में हम मानते हैं कि इलाज सिर्फ दवाओं और तकनीक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें संवेदना, हौसला और साथ भी उतना ही जरूरी है।

लिखने लगा वसन्त

(छप्पय)

आया फागुन माह सुहाना लगता हर पल।
जाग उठे हैं साज फ़िजाओं में है हलचल।
घूँघट का पट खोल प्रकृति खुशियाँ ले आयी।
छेड़छाड़ परिहास उमंगो में है छायी।
आँखे चंचल हो गयीं ख़ामोशी में शोर है।
वासन्तिक उत्सव यही फागुन की शुभ भोर है।।

बीती बात बिसार गले लग जाओ हमसे।
लिखने लगा वसन्त प्रेम की पाती फिर से।
अमवारी की भाँति दिलों में खुशबू भरके।
महकाओ हर शब्द, गीत गुलशन का बनके।
ऋतुओं ने श्रृंगार कर मौसम में भर रंग को।
उत्सव का नव गीत बन, गाया दिव्य प्रसंग को।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी ने बादशाही मण्डी प्रयागराज में किया भ्रमण

प्रयागराज। प्रयागराज में कैबिनेट मंत्री जी शाश्वत मिश्रा जी बूथ अध्यक्ष 277 के आवास पर मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान

के अन्तर्गत नये मतदाता हेतु भरे जा रहे फार्म संख्या–6 की प्रगति के सम्बंध में बूथ समिति की बैठक किया इस अवसर पर सुमित वैश्य जी, चौक मण्डल अध्यक्ष, अविनाश त्रिपाठी जी, सेक्टर संयोजक आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय बजटः 'विकसित भारत 2047' की दिशा में मजबूत कदम–रालोद

लखनऊ, संवाददाता। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष व्यापार प्रकोष्ठ रोहित अग्रवाल ने केंद्रीय बजट की सराहना करते हुए कहा कि बजट विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक सशक्त और दूरदर्शी पहल है। यह बजट रोजगार सृजन, विनिर्माण, तकनीक, कौशल विकास और आत्मनिर्भर भारत को मजबूती प्रदान करता है। बजट किसानों, महिलाओं, गरीबों और पशुपालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवाओं की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करता है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि हर बजट के बाद नकारात्मकता फैलाना उचित नहीं है।

जनता को गुमराह कर रही भाजपा–नीलम

लखनऊ, संवाददाता। बांदा में समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय सचिव नीलम गुप्ता ने कहा भाजपा जनता को गुमराह करती है।इस बजट सेआम जनता को इससे कोई राहत नहीं है। उन्होंने कहा जो देश को बेचने पर तुला हो हर जगह प्राइवेटलाइजेशन भाजपा कर रही हो,अमेरिका भारतीयों को बंदी बना कर भारत भेज रहा हो, देश की सीमा सुरक्षित न हो बाजारों की स्थिति दयनीय हो रही हो, ऐसी स्थिति में बहुत कुछ कहना ठीक नहीं। बजट तो ऐसा होना चाहिए कि देश दीपावली मनाए लेकिन अफसोस है।

कुलपति पद पर होना चाहिए आरक्षण–लालजी वर्मा

लखनऊ, संवाददाता। अम्बेडकर नगर के समाजवादी पार्टी के सांसद लालजी वर्मा ने कहा,देश के विश्वविद्यालयों में कुलपति के पद पर अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग का आरक्षण होना चाहिए और आरक्षण चक्रानुसार सभी विश्वविद्यालय में होना चाहिए। आरक्षण न होने के कारण2इन वर्गों को यूनिवर्सिटी में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर ही नही मिलता है।उन्होंने कहा कि हम तो सड़क से संसद तक इस बात को उठाते रहे हैं लेकिन इन तबकों के साथ उपेक्षात्मक रवैया अपनाया जाता रहा है।

केंद्रीय बजट विकसित भारत के संकल्प का मजबूत दस्तावेज–कश्यप

लखनऊ, संवाददाता। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026–27 विकसित भारत के संकल्प को साकार करने वाला दूरदर्शी और जनकल्याणकारी बजट है।केंद्रीय बजट विकसित भारत के संकल्प का मजबूत दस्तावेज है।बजट में कनेक्टिविटी, विनिर्माण क्षमता और क्षेत्रीय संतुलन पर विशेष ध्यान देते हुए विश्वस्तरीय एवं भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचे के निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम उठाए गए हैं, जो विकसित भारत के विराट लक्ष्य को मजबूती प्रदान करेंगे।दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण हेतु बजट में किए गए प्रावधानों की सराहना करते हुए बताया कि दिव्यांगजन कौशल योजना के माध्यम से दिव्यांगजनों को कार्योन्मुख प्रशिक्षण देकर सम्मानजनक आजीविका सुनिश्चित की जाएगी।

ऐसा चाहूँ राज मैं, जहां मिलै सबन को अन्न, छोट–बड़ो सब सम बसै, रविदास रहै प्रसन्न

लखनऊ, संवाददाता। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सामाजिक एकता, समरसता और मानवतावाद के प्रणेता, महान संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती के अवसर पर लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास, सात कालिदास मार्ग पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। श्री मौर्य ने संत रविदास के वचनों को स्मरण करते हुए कहा,"ऐसा चाहूँ राज मैं, जहां मिलै सबन को अन्न।छोट–बड़ो सब सम बसै, रविदास रहै प्रसन्न।"ये पंक्तियाँ सामाजिक समानता, न्याय और सर्वसमावेशी समाज की अवधारणा को सशक्त रूप से प्रस्तुत करती हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास ने भेदभाव रहित समाज का जो स्वप्न देखा, वह आज भी हमें सामाजिक सौहार्द, करुणा और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

सम्पादकीय.....

परिपक्व उम्र में ही हो सोशल मीडिया तक पहुंच

बच्चों व किशोरों की सोशल मीडिया पर बढ़ती अति–सक्रियता अभिभावकों ही नहीं, देश के लिये भी एक गंभीर चिंता का विषय है। छात्रों का पढ़ाई से भटकाव व एकाग्रता में गिरावट समय की बड़ी फिक्र है। इसी बीच इकोनॉमिक सर्वे में सोशल मीडिया तक उम्र के हिसाब से पहुंच का सुझाव एक स्वागत योग्य कदम है। सालों से, डिजिटल विस्तार को एक बिना शर्त अच्छे बदलाव के रूप में देखा जाता रहा है। कहा जाता रहा है कि सोशल मीडिया तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, डिजिटल लिटरेसी की खामियों को दूर करने और शिक्षा को आधुनिक बनाने में डिजिटल क्रांति सहायक है। निश्चित रूप से आर्थिक सर्वे में इस बाबत उल्लेख एक असहज करने वाली सच्चाई को संतुलित करने का प्रयास करता है। यह स्वीकार किया जा रहा है कि बिना रोक–टोक के डिजिटल एक्सपोजर तेजी से एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बनता जा रहा है। सही मायनों में डिजिटल लत को मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और उत्पादकता को प्रभावित करने वाली समस्या के रूप मे पहचानते हुए, सर्वे इस बहस को तथ्यों पर आधारित नीति बनाने की जरूरत बताता है। इसकी सिफारिश है कि उम्र के हिसाब से एक्सेस की सीमाएं तय करने, उम्र की वेरिफिकेशन के लिये प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही निर्धारित करने, बच्चों के लिये सरल डिवाइस बनाने और ऑनलाइन कक्षाओं पर निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। सही मायनों में इस मुद्दे पर वैश्विक सहमति का ही अनुसरण किया जा रहा है। वास्तव में बच्चों को सम्मोहित करने वाले डिजिटल डिजाइनों से उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की भी जरूरत है। जो कोमल मन–मस्तिष्क वाले बच्चों पर खासा नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। निश्चित रूप से डिजिटल लत के शिकार होते बच्चों व किशोरों के, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर नीति–निर्धारण समय की मांग है। इसके अलावा इस बाबत सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर देना भी उतना ही जरूरी है। तभी इस संकट का आशाजनक समाधान तलाशना संभव हो सकेगा। वहीं दूसरी ओर, इस संकट से उबरने के लिये प्लेटफॉर्म लेवल सेफ्टी और फैमिली डेटा प्लान की भी मांग की जा रही है। जो पढ़ाई की जरूरत और मनोरंजन के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए इस्तेमाल का फर्क कर सके। इसके साथ ही हालिया आर्थिक सर्वे में इस बात को स्वीकार किया गया है कि माता–पिता पहले से ही यह जानते हैं कि व्यक्तिगत कंट्रोल बड़े पैमाने से इस समस्या का समुचित हल नहीं निकाल सकता है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हुए प्रयास इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया व फ्रांस जैसे विकसित देशों में सरकारों को इस दिशा में सख्त पहल करनी पड़ी। एक ओर जहां आस्ट्रेलिया ने सोलह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच पर रोक लगायी है, वहीं फ्रांस ने पंद्रह साल से कम उम्र वाले बच्चों की सोशल मीडिया तक सीधी पहुंच को रोकने को कदम उठाये हैं। कुछ अन्य देशों में भी सरकारें तेजी से सख्त सीमाएं तय करने की दिशा में काम कर रही हैं। आज जहां भारत में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। वैसे भारत जैसे देश जहां युवाओं की आबादी बहुत ज्यादा है, वहां डिजिटल क्रांति से पूरी तरह अलग भी नहीं रहा जा सकता। ऐसे में एक नियम से ही सबको नियंत्रित करना संभव नहीं होगा। इसके बावजूद हमें स्वीकारना होगा कि विदेशी प्लेटफॉर्मों से प्रसारित अपसंस्कृति भारतीय किशोरों को पथभ्रष्ट करने में घातक भूमिका निभा रही है। जिससे देश में किशोरों की यौन अपराधों में संलिप्तता का खतरा बढ़ रहा है। ये अपसंस्कृति न केवल समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रही है, बल्कि उनमें मानवीय संवेदनाओं का भी क्षरण कर रही है। जो किसी भी सभ्य समाज के लिये एक गंभीर चुनौती है। खासकर भारत जैसे देश में जहां सांस्कृतिक मूल्यों व संबंधों में शुचिता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती रही है। इस बाबत सरकार की सख्त पहल और अभिभावकों की सजगता मिलकर ही समस्या का समाधान निकाल सकती है।

गुरु जी की शिक्षाएं अपना कर एक ईमानदार और ईर्ष्यामुक्त समाज का निर्माण करें

सरबजीत राय

भारतीय संस्कृति में, जब हम भक्ति आंदोलन की बात करते हैं, तो सबसे पहले जिस आध्यात्मिक विचारक का नाम हमारे मन में आता है, वह है श्री गुरु रविदास जी का। ऐसा कहा जाता है कि जब भी संसार में अत्याचार, बुराई या दुराचार चरम पर पहुंचता है, तब स्वयं भगवान किसी न किसी रूप में मानव रूप धारण करके इस अंधकार में मानवता का मार्ग दिखाने के लिए पृथ्वी पर आते हैं। 15वीं–16वीं शताब्दी की बात करें, जब समाज जातिवाद, गरीबों पर अत्याचार, भेदभाव और ऊंच–नीच जैसी बुराइयों से ग्रस्त था, तब मानवता को इन बुराइयों से मुक्त करने और समाज के ठेकेदारों को सही मार्ग दिखाने के लिए भगवान ने सांसारिक रूप धारण किया और एक 'मर्द अगंबड़े' को पृथ्वी पर भेजा, जो बाद में श्री गुरु रविदास जी के नाम से जाने गए। उनका जन्म सन 1376 ईस्वी, यानी 1433 विक्रमी सम्वत् को काशी बनारस (अब उत्तर प्रदेश) में पिता संतोख और माता कलसी जी के घर हुआ था। अपने जीवनकाल में उन्होंने बढ़ई का काम किया और मनुष्य को अपने हाथों से काम करने का संदेश दिया। उन्होंने अपनी कमाई का उपयोग संगत, पंगत और लंगर की सेवा में किया और मानवता को यह संदेश दिया कि हाथों से कोई भी काम करना मनुष्य के लिए गर्व की बात है। कोई भी काम बुरा नहीं होता, बल्कि मनुष्य की बुरी सोच ही उसे बुरा बना देती है। बेशक उस समय मजलूमों की आवाज उठाने के लिए धर्म के ठेकेदारों ने उनकी आवाज को दबाने के हरसंभव प्रयास किए और उनके साथ दुर्व्यवहार किया, फिर भी अपनी विनम्रता और एकजुटता की शिक्षाओं के कारण उन्होंने हर भटके व्यक्ति को सही राह दिखाई। श्री गुरु रविदास जी द्वारा रचित बाणी की बात करें तो उनके 41 शबद,श्लोक श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में अंकित हैं। इसके अलावा, 'रैदास जी की बाणी' नामक हस्तलिखित ग्रंथ भी उपलब्ध है। 1984 में भाषा विभाग ने इसे 'बाणी सतगुरु रविदास जी की' शीर्षक से प्रकाशित किया था। भारत के लोगों के लिए यह गर्व की बात है कि इस भूमि पर अनेक गुरुओं, संतों, फकीरों और भक्तों ने जन्म लिया तथा मानवता के कल्याण के लिए अथक परिश्रम किया। श्री गुरु रविदास जी के भजन प्रेम और भक्ति पर आधारित हैं व अच्छे लोगों की संगति में रहने की प्रेरणा देते हैं। ये भजन संदेश देते हैं कि व्यक्ति जिस प्रकार की संगति में रहता है, उसी प्रकार की सोच उसमें उत्पन्न हो जाती है। गुरु जी के भजन अच्छे लोगों की संगति में रहने का संदेश देते हैं, क्योंकि अच्छी संगति व्यक्ति के दोषों को दूर करती है और उसे लोहे से सोने में बदल देती है। ये भजन मानवता और आध्यात्मिक प्रेम का संदेश देते हैं। केवल अच्छी संगति ही अज्ञान से ज्ञान की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर तथा पूर्वाग्रह से निष्पक्षता की ओर ले जाती है। अच्छी संगति में रहने से व्यक्ति के मन की भटकन, मैल और अहंकार दूर हो जाते हैं तथा मन स्थिर हो जाता है। इसलिए, व्यक्ति को अच्छी संगति अपनानी चाहिए और उसमें रहना चाहिए। उनकी बाणी मनुष्य को झूठे दिखावों, वहमों–भ्रमोंध्मंत्रों और तंत्रों से दूर रहने की चेतावनी देती है तथा एक ऐसे समाज की स्थापना का लक्ष्य रखती है, जहां मनुष्य को कोई पीड़ा, दुख और चिंता न हो, कोई कर न देना पड़े और प्रत्येक व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार हो। तभी वह अपनी बाणी में लिखते हैं कि 'बेगम पुरा शहर को नाओ, दुख अंदोह नहीं तिही ठाओ।' इसी प्रकार, गुरु जी के समकालीन श्री गुरु नानक देव जी ने भी अपनी बाणी में 'एक पिता एकस के हम बारिक' का संदेश दिया और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने भी अकाल पुरख की महिमा में मानवता के कल्याण के लिए यह अंकित किया कि 'मानस की जात सभै एकै पहिचानबो।' ऐसी सब महत्वपूर्ण जानकारियों के बावजूद, अगर हम वर्तमान समय में जागरूकता की बात करें, तो हम गुरुपर्व तो मनाने में सक्षम हो गए हैं लेकिन गुरु जी की शिक्षाओं का पालन करने में अभी भी असमर्थ हैं। हम उस अंधकार को समझने में असमर्थ हैं, जिससे उनकी धार्मिक यात्राओं, दर्शन और बाणी ने हमें बाहर निकाला था। दुख की बात है कि बड़े–बड़े पोस्टरों, जयकारों और नारों की गूंज हमारे मन को ऊपर नहीं उठा सकी। हमारा मन अब भी भटक रहा है। हम प्रभातफेरियों, नगर कीर्तनों और शोभायात्राओं में आसानी से शामिल हो जाते हैं लेकिन सत्य की खोज करने और श्री गुरु रविदास जी द्वारा अपनी बाणी के माध्यम से दिखाए गए मार्ग पर चलने में अब भी असहज महसूस करते हैं। आइए इस गुरुपर्व पर यह प्रतिज्ञा करें कि हम इसे मेले की तरह नहीं मनाएंगे, बल्कि उनके सच्चे दर्शन को अपने जीवन में अपनाकर एक ईमानदार और ईर्ष्यामुक्त समाज का निर्माण करेंगे। मुफ्त की वस्तुओं को अपनाने की बजाय, आइए हम स्वयं को और अपने बच्चों को यथासंभव शिक्षित करें तथा अपने हाथों से काम करके अपने परिवार, देश एवं समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं।

अगड़े-पिछड़े-तगड़े का झगड़ा और भारत की व्यापारिक सांझेदारियों की विडंबना!

पूरन चंद सरीन

भारत का मूलमंत्र, लोकतंत्र और समानता का आधार होते हुए भी व्यवस्था की कार्यप्रणाली सोचने को मजबूर करती है कि यही सत्य है या कोई भ्रम है। उदाहरण के लिए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, जिसके पास भारत में उच्च शिक्षा की जिम्मेदारी है, इस तरह के नियम बनाए, जिन पर उच्चतम न्यायालय गौर न करे तो देश में युवाओं की स्थिति यह हो जाए कि आपस में बात करने या मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने में इसलिए हिचकिचाएं कि कहीं सरकारी नियमों की अवहेलना तो नहीं कर रहे। यह डर पैदा करता है और खतरनाक है। भ्रम, असुरक्षा और दिशाहीनता रू हो यह रहा है कि अस्पष्ट नियमों, बार–बार बदलते फैसलों और बिना सिर–पैर के सुधार करने की जिद ने विद्यार्थियों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। वे डिग्री लें तो किस विषय में, क्या उसके अनुरूप नौकरी मिल पाएगी या स्वरोजगार कर पाएंगे और जो परिस्थिति आज है, क्या वह कल किसी आधे–अधूरे नियम के लागू होने से बदल तो नहीं जाएगी और यदि ऐसा हुआ तो उसका अब तक का किया–धरा व्यर्थ ही हो जाएगा।अजीब विरोधाभास है, एक ओर आरक्षित, जिसे पिछड़ा माना जाता है तथा जनरल कैटेगरी, जिसे तगड़ा या समर्थ कहा जाता है, के बीच द्वेष उत्पन्न करना और दूसरी ओर भारत का विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का रास्ता तय करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक समझौते करना। प्रश्न यह है कि क्या यह किन्हीं खास व्यक्तियों, उनके व्यापार और उद्योग समूहों के लाभ को ध्यान में रखकर तो नहीं किया जा रहा, क्योंकि जब युवाओं में एक–दूसरे के प्रति ऊंच–नीच का भाव होगा, तब ही यह संभव हो सकेगा। जहां तक यूरोपीय तथा भारत के साथ व्यापार करने के इच्छुक दूसरे देशों की बात है, तो हकीकत यह है कि वे हमें केवल अपना सप्लायर बनाकर रखना चाहते हैं न कि बराबरी का रिश्ता यानी निर्णायक भूमिका अदा करने वाला। वे भारत को एक बड़े बाजार की तरह देखते हैं, जहां वे अपनी अनुपयोगी वस्तुओं, उपकरणों और पुरानी टैक्नोलॉजी को बेच कर मुनाफा कमा सकें और हमें सशक्त बनाने के भ्रम में रख सकें। ये सब चाहते हैं कि भारत में उत्पादन हो लेकिन दाम वे तय करें। सस्ता श्रम होने और हमें प्रशिक्षित करने के बहाने वे हमारी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में रोड़े अटकाने का काम यह कहकर करते हैं कि वे अपने विशेषज्ञों और कर्मचारियों से यह सब करा तो रहे हैं, हमें क्यों इस पचड़े में पडना कि स्वयं गहन रिसर्च करें, अपनी टैक्नोलॉजी विकसित करें और दूसरी परेशानियां मोल लें। उनका लक्ष्य बाजार खुलवाना है, न कि बराबरी की हैसियत बनने देना। भारत जो समझौते इन देशों से कर रहा है, यदि सतर्कता नहीं बरती गई तो भारत उनके लिए एक माल गोदाम बन जाएगा। अमरीका का रुख बदलते दिखना एक अवसर है कि भारत अपनी नीतियों और विशेषकर कूटनीति से उसे यह अहसास और अन्य देशों को विश्वास दिलाए कि हम ही बेहतर हैं। उद्योग हो या आधुनिक टैक्नोलॉजी, हम सभी स्तरों पर काम करना जानते हैं। इन सभी देशों की नीति है कि भारत को काम पर लगाए रखो, यह सोचने का अवसर न दो कि हम उनके लीडर बन सकते हैं। असली ताकत क्षमता है न कि समझौता। स्थायी लाभ की स्थिति यह है कि हमारे उत्पाद और कल–कारखाने स्वदेशी टैक्नोलॉजी से उत्पादन करें और अपनी गुणवत्ता का लोहा मनवाएं, इस स्थिति में ही वे हमें अपनी नवीनतम तकनीक देने को तैयार होंगे। यह भी विचारणीय है कि कहीं ये देश इन समझौतों से हमें अपने लिए चीन का विकल्प बनाने की नीति पर तो नहीं चल रहे? सम्भव है कि ये पश्चिमी देशों के तरह–तरह के टैक्स, जैसे ग्रीन टैक्स, कार्बन टैक्स, खेतीबाड़ी और कृषि उत्पाद के लिए ऐसे सख्त स्टैण्डर्ड, जो हमारे लिए फायदेमंद न हों, यही नहीं, वीजा सीमा और टैक्नोलॉजी ट्रांसफर में आनाकानी, यह सब हम पर थोपने लगें। ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर जनता का जागरूक रहना आवश्यक है, वरना ये राजनीतिज्ञ अपनी वाहवाही के लिए कुछ भी कर सकते हैं। संशय होता है कि यू.जी.सी. वैश्विक प्रभावों में तो आकर यह सब नहीं कर रहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली ऐसी हो कि युवाओं को डिग्री तो मिले, लेकिन ग्लोबल स्किल नहीं। उनके यहां हमारे योग्य युवा शानदार वेतन और सुविधाओं वाली नौकरी तो करें लेकिन भारत में रहकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन न कर पाएं। सरकार युवाओं के लिए रुकावट बनकर अर्थहीन नियम लागू करती है, बेमतलब की पाबंदियां लगाती है, उद्यमी को नियमों का हवाला देकर वर्षों तक लटकाए रखती है, ताकि वह सोचने के लिए मजबूर हो कि विदेश में ही जाकर अपनी योग्यता के अनुसार उन्नति करे तो अच्छा होगा। मतलब यह कि उच्च शिक्षा ऐसी हो, जो आर्थिक रूप से सक्षम और निर्णय लेने की मानसिकता बना सके, न कि जाति के आधार पर भेदभाव करने की। सर्विस सैक्टर हो या औद्योगिक क्षेत्र, सरकारी सहयोग और वित्तीय संसाधन प्राप्त न हों तो कितना भी बुद्धिमान व्यक्ति हो, वह छोटी–मोटी प्रगति बेशक कर ले लेकिन वैश्विक स्तर पर अपनी और देश की पहचान नहीं बना सकता। युवा वर्ग को यह सब समझ कर ही अपना रास्ता तय करना होगा।

शबरी से मिलने गये स्वयं प्रभु राम

साल 2026 का पहला महीना जनवरी जाने वाला है और साल का दूसरा मास फरवरी आने वाला है। इस महीने में 28 दिन होते हैं। यह मास वसंत ऋतु की शुरुआत में आता है और इस मास में ठंड कम होने लगती है और हल्की गर्मी की शुरुआत होने लगती है। हर चार साल में एक बार कलेंडर को सही करने के लिये फरवरी में 29वां दिन जोड़ा जाता है जिसे लीप वर्ष कहते हैं। इसी के साथ भारतीय वर्ष का फाल्गुन मास भी प्रारंभ हो जाता है। यह महीना मौसम में परिवर्तन लाता है। साल का अंतिम मास होने के नाते यह एक महत्वपूर्ण अवधि है जिसमें कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाये जाते हैं। राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय और महत्वपूर्ण दिनों के साथ–साथ इस मास में कई त्योहार भी मनाये जाते हैं। इस साल 2026 में फाल्गुन की महाशिवरात्रि, माघ पूर्णिमा और फुलेरा दूज जैसे त्योहार आने वाले हैं। शबरी जयंती और होलास्टक भी इसी महीने में पड़ेंगे। इस मास की 1 फरवरी को माघ पूर्णिमा व्रत मनाया जाता है। इस दिन रविवार है। इस दिन लोग नदियों में स्नान, दान और पुण्य कर्म करते हैं। इस मास की दूसरी तारीख 2 फरवरी सोमवार को फाल्गुन मास का आरंभ है। इस दिन से फाल्गुन मास की तैयारी धार्मिक अनुष्ठानों और उत्सवों का सिलसिला शुरू हो जाता है। 5 फरवरी (शनिवार) को यशोदा जयंती है। यह भगवान श्रीकृष्ण की माता यशोदा के जन्मोत्सव के रूप में मनायी जाती है। इस मास की 8 तारीख (8 फरवरी) को शबरी जयंती है और भानु सप्तमी है। इस दिन क्रमशः सूर्य और माता शबरी की विशेष पूजा–अर्चना का विधान है। 9 फरवरी (सोमवार) को जानकी जयंती और मासिक कालाष्टमी है। यह जयंती माता सीता और मासिक कालाष्टमी पर काल भैरव की उपासना होती है। 13 फरवरी को शुक्रवार को विजेता एकादशी ओर कुंभ संक्रांति है। यह एकादशी विजय और सफलता का प्रतीक मानी जाती है। कुंभ संक्रांति में सूर्य का कुंभ राशि में प्रवेश होता है। 14 फरवरी (शनिवार) को शनि त्रयोदशी और कृष्ण प्रदोष व्रत है। शनि त्रयोदशी शनि देव और प्रदोष व्रत पर भगवान शिव की आराधना होती है। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि है। इस दिन भगवान शिव की उपासना का सबसे बड़ा प्रमुख पर्व है। 17 फरवरी को फाल्गुन अमावस्या है यह पित्र तर्पण और शांति कर्मों के लिये होता है। यहां हम भक्त शिरोमणि माता शबरी की कथा बताएंगे जिनकी जयंती 8 फरवरी को है। शबरी का वास्तविक नाम श्रमणा बताया गया है। इन्होंने शबर जाति में जन्म लिया जिस कारण इनका नाम शबरी पड़ गया। संतजन कहते हैं कि इन्होंने भगवान श्री राम का इतना सब्र किया कि इनका नाम ही सबरी पड़ गया। शबरी के पिता भीलों के राजा थे। शबरी को श्रीराम के प्रमुख भक्तों में गिना जाता है। शबरी जब विवाह के योग्य हुई तो उसके पिता ने एक दूसरे भील कुमार से उसका विवाह पक्का कर दिया।

विकसित भारत का भाषाई संकल्प

ष्हुंकार भर रहा आज देश, नव युग की नई तैयारी है, गणतंत्र हमारा गौरव है, अब जग जीतने की बारी है। उन अमर शहीदों को नमन, जिनका तप पावन अर्पण है, यह देश नहीं केवल मिट्टी, यह महाशक्ति का दर्पण है।ष

जनवरी का यह मास भारतीय कालखंड में शौर्य और संकल्प का संगम है। एक ओर जहाँ हम गणतंत्र दिवस के रूप में अपनी संवैधानिक संप्रभुता का उत्सव मना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर यह महीना उन महान शहीदों की पुण्यतिथियों का साक्षी है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें श्स्वतंत्रताश और श्स्वराजश का उपहार दिया। आज जब हम श्विकसित भारत /2047श के मार्ग पर अग्रसर हैं, तो हमें यह समझना होगा कि विकास की अटारी केवल आर्थिक ईंटों से नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भाषाई स्वाभिमान की नींव पर खड़ी होती है।

शहीदों का स्वप्न और हमारा दायित्व

जनवरी की ठिठुरती सुबह जब हम गणतंत्र का उल्लास मनाते हैं, तब हमें उन महानायकों का स्मरण अवश्य करना चाहिए जिनके बलिदान ने हमें यह गौरवमयी अवसर प्रदान किया। विकसित भारत का अभियान केवल एक सरकारी नारा नहीं, बल्कि उन शहीदों के प्रति हमारा कर्ज है। यदि हम अपने राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं, तो हमें श्गुलामी की मानसिकताश के हर चिह्न को मिटाना होगा। इसकी शुरुआत हमारी सोच और हमारी भाषा से होती है।

हिंदीः विकास और एकता का सेतु

हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है। रामधारी सिंह श्दिनकरश ने सदैव भारतीय अस्मिता पर जोर दिया। विकसित भारत की परिकल्पना तब तक अधूरी है, जब तक हम अपनी राष्ट्रभाषा को वह सम्मान नहीं दिलाते जिसकी वह हकदार है।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और आधुनिक विज्ञान के युग में हिंदी को ज्ञान की भाषा बनाना अनिवार्य है।

जब शासन और जनता के बीच की भाषा एक होती है, तभी लोकतंत्र वास्तविक रूप में श्गणतंत्रश बनता है। हिंदी और हमारी क्षेत्रीय भाषाएँ ही वह सूत्र हैं जो उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम को एक सूत्र में पिरोती हैं।

गणतंत्र दिवस मनाना केवल परेड और झंडोत्तोलन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इस वर्ष हमें इसे श्विकसित भारत अभियानश के एक संकल्प वर्ष के रूप में देखना चाहिए। प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता लाए। चाहे वह किसान हो, वैज्ञानिक हो या विद्यार्थी, सबका लक्ष्य एक ही होना चाहिएकृ भारत को विश्व के शिखर पर स्थापित करना।

आइए, इस गणतंत्र दिवस पर हम केवल तिरंगे को नमन न करें, बल्कि उस मिट्टी और उस भाषा को भी नमन करें जिसने हमें गढ़ा है। हम संकल्प लेते हैं किरू

हम अपनी सांस्कृतिक विरासत और हिंदी भाषा का गौरव वैश्विक पटल पर बढ़ाएंगे।

हम श्विकसित भारतश के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

हम शहीदों के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने देंगे और एक सशक्त, समर्थ और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए समर्पित रहेंगे।

उठो हिंद के वीर सपूतों, नया इतिहास बनाना है।

भाषा, संस्कृति और राष्ट्र का, ऊँचा मान बढ़ाना है।

आइये संकल्प ले कि शहीदों ने जिस अखंड और श्रेष्ठ भारत का स्वप्न देखा था, उसे हम अपने पुरुषार्थ से पूर्ण करेंगे।अंत में, मैं इन्ही पंक्तियों के साथ अपनी कलम को विराम देती हूँ:

चलो चलें उस राह पर, जहाँ विकास की गंगा हो, हाथों में हो ज्ञान–दीप, और मन में बसा तिरंगा हो।

जय हिंद! जय भारत!

डा. संगीता मनीष बनाफर
प्रदेश अध्यक्ष विश्व हिंदी परिषद
बिलासपुर छत्तीसगढ़

अशनूर कौर का आलीशान घर, कांच की छत, बड़ा झूमर और शानदार बालकनी

बॉलीवुड की चाइल्ड आर्टिस्ट और अब सफल एक्ट्रेस अशनूर कौर ने अपने करियर में मेहनत और काबिलियत के दम पर 2 साल पहले एक शानदार घर खरीदा। हाल ही में फराह खान के यूट्यूब व्लॉग में अशनूर के 3.5 बीएचके घर की झलक दिखाई गई, जिसे देखकर हर कोई उनकी स्टाइलिश होम डेकोर से प्रेरित हो सकता है। अशनूर के घर में स्मार्ट लाइटिंग और मॉड्यूलर किचन है, जो ग्लॉसी फिनिश और आधुनिक उपकरणों के साथ बहुत आकर्षक लगता है। घर में एक वॉक–इन वैनिटी है, जिसमें अशनूर का डिजाइनर बैग, जूते और परफ्यूम कलेक्शन प्रदर्शित है। बालकनी बड़ी और हवादार है, जिससे मुंबई का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। अशनूर ने बताया कि उन्हें यहां से सूर्यास्त का दृश्य बहुत पसंद है। एंट्री पर छोटा सा गलियारा है, जिसमें मिरर और आकर्षक दीवार है, जो सेल्फी के लिए परफेक्ट है। लिविंग रूम में मखमली कुर्सियां, संगमरमर की मेज और क्रिएटिव वॉल डेकोर है। छत पर मिरर पैटर्न और सुनहरा झूमर लिविंग रूम को और भी शानदार बनाते हैं। दीवार पर स्वर्ण मंदिर की तस्वीर और अलग–अलग एब्स्ट्रैक्ट पेंटिंग घर के हिस्सों को खूबसूरत बनाती हैं। मॉड्यूलर किचन ग्लॉसी कैबिनेट्स और आधुनिक उपकरणों से सजा हुआ है। डाइनिंग टेबल मार्बल टॉप की है और मखमली कुर्सियां इसे शाही लुक देती हैं। दीवार पर गोलाकार दर्पण और वार्म लाइटिंग इस एरिया को और खूबसूरत बनाते हैं। अशनूर का बेडरूम सादगी और शालीनता से सजा है। हल्की रोशनी और गर्म लकड़ी का फर्श आरामदायक माहौल देता है। बालकनी के पास छोटा झूला है और कमरे में

> “
> दीवार पर गोलाकार दर्पण और वार्म लाइटिंग इस एरिया को और खूबसूरत बनाते हैं। अशनूर का बेडरूम सादगी और शालीनता से सजा है। हल्की रोशनी और गर्म लकड़ी का फर्श आरामदायक माहौल देता है।

किताबों की अलमारी भी है। वॉक–इन वैनिटी उनके फैशन कलेक्शन को शो करती है और डिजाइनर आइटम प्रदर्शित करती है। अशनूर के घर का दौरा फराह खान के व्लॉग में दिखाया गया, जिसमें घर के हर कोने की खूबसूरती, शानदार डेकोर और आरामदायक माहौल देखने को मिलता है।

एस.एस. राजामौली की 'वाराणसी' की रिलीज डेट हुई अनाउंस

भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े विजनरी डायरेक्टर एस. एस. राजामौली की बहुप्रतीक्षित मेगा फिल्म 'वाराणसी' की आधिकारिक रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। मेकर्स के मुताबिक यह भव्य सिनेमाई अनुभव 7 अप्रैल 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगा। दमदार टैगलाइन "Let it bang....." के साथ की गई इस घोषणा ने दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुंचा दिया है। सनातन परंपरा और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत–प्रोत काशी (वाराणसी) की पृष्ठभूमि में बनी यह फिल्म भावनाओं, संस्कृति और समकालीन कहानी कहने की शैली का एक शक्तिशाली संगम पेश करने वाली है। हालांकि मेकर्स ने कहानी से जुड़े अहम पहलुओं को फिलहाल पर्दे में रखा है, लेकिन इंडस्ट्री की चर्चाओं के मुताबिक 'वाराणसी' में गहरी भावनाएं, भव्य विजुअल्स और इस प्राचीन नगरी की सामाजिक व सांस्कृतिक आत्मा को दर्शाने वाली एक सशक्त कथा देखने को मिलेगी। रिलीज डेट सामने आते ही ट्रेड सर्कल्स और दर्शकों के बीच जबरदस्त हलचल मच गई है। 7 अप्रैल 2027 को पहले से ही एक बड़े इवेंट के तौर पर देखा जा रहा है। भारत के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी 'वाराणसी' ने अपनी मौजूदगी दर्ज करानी शुरू कर दी है। फिल्म की पहली झलक पेरिस के प्रतिष्ठित Le Grand Re—यूरोप के सबसे बड़े और ऐतिहासिक थिएटर में आयोजित एक ट्रेलर फेस्टिवल के दौरान दिखाई गई, जहां दर्शकों का रिस्पॉन्स बेहद जबरदस्त रहा। जैसे ही फुटेज स्क्रीन पर आया, पूरा हॉल तालियों, जोशीली बीममते और एक्साइटमेंट से गूंज उठा माहौल पूरी तरह इलेक्ट्रिक हो गया। फिल्म से जुड़े किरदारों के फर्स्ट लुक पहले ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा चुके हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन का 'कुंभा' के रूप में उग्र अवतार, प्रियंका चोपड़ा जोनस की 'मंदाकिनी' के किरदार में दमदार मौजूदगी, और महेश बाबू का 'रुद्र' के रूप में शक्तिशाली लुक इन सभी ने देशभर में दर्शकों की उत्सुकता को कई गुना बढ़ा दिया है। अब जब 'वाराणसी' की रिलीज डेट पूरी तरह कन्फर्म हो चुकी है, तो दर्शकों की निगाहें इस महाकाव्यात्मक सिनेमाई अनुभव पर टिकी हैं, जो 2027 में बड़े पर्दे पर धमाका करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

संजय मिश्रा,नीना गुप्ता ने 'वध 2' से पहले दिखाया अपना नया स्वैग, किया जबरदस्त रेट्रो ग्लैम फोटोशूट

इस हफ्ते वध 2 का ट्रेलर रिलीज होने के बाद फिल्म को लेकर उत्साह कई गुना बढ़ गया है, जो 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब संजय मिश्रा और नीना गुप्ता ने एक शानदार, रेट्रो–ग्लैम फोटोशूट के साथ इस उत्साह को और भी ऊँचा कर दिया है, जिसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। अपनी स्क्रीन पर की गई सादगी से हटकर, यह पावरहाउस जोड़ी एक बिल्कुल नए अवतार में सामने आई है, जहां उन्होंने बिंदास स्वैग और स्टाइल के साथ बेहतरीन लुक दिए। ये शानदार विजुअल्स फिल्म के मुख्य थीम को भी बयां करते हैं जहां रौनक के पीछे छिपा है अंधेरा और शांत बाहरी रूप के नीचे पिघल रहे हैं राज। इन तस्वीरों को एक्टर्स ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, "दिखा रहे हैं दमदार लुक्स, छुपा रहे हैं खतरनाक रहस्य।"वध 2 का ट्रेलर पहले ही इंडस्ट्री में जबरदस्त सराहना हासिल कर चुका है, जहां सेलेब्रिटीज और फिल्ममेकर इसकी ग्रिपिंग टोन, दमदार परफॉर्मेंस और माहौल बनाने वाली स्टोरीटेलिंग की तारीफ कर रहे हैं। इस फिल्म की जबरदस्त वर्ड–ऑफ–माउथ ने इसे इस सीजन की सबसे प्रतीक्षित रिलीज में से एक के रूप में और मजबूत कर दिया है। वध 2 को जसपाल सिंह संधू ने लिखा और निर्देशित किया है, जबकि लव रंजन और अंकुर गर्ग की लव फिल्म्स ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म में संजय मिश्रा और नीना गुप्ता एक ऐसे दुनिया में लौट रहे हैं, जहां शांत तनाव और नैतिक जटिलताएं बारीकी से बुनी गई हैं, और इस बार दांव और भी बड़े हैं। ट्रेलर ने लोगों का दिल जीत लिया और ग्लैमरस लुक्स से इंटरनेट पर धमाल मचाया, वध 2 स्टाइल और कंटेंट दोनों में पूरी तरह कमाल कर रही है। लव फिल्म्स की प्रोडक्शन वध 2 को जसपाल सिंह संधू ने लिखा और डायरेक्ट किया है, और इसे लव रंजन और अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 6 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

प्रीमियर नाइट में काइली ने बिखेरा बोल्डनेस का जलवा, स्लीवलेस ब्लाउज के साथ लो–राइज मैक्सी स्कर्ट में दिखीं बेहद कातिलाना

हॉलीवुड दिवा काइली जेनर हमेशा अपने लुक्स से लाइमलाइट चुराने में कामयाब रहती हैं। गुरुवार रात लॉस एंजेलिस में आयोजित 'द मोमेंट' के प्रीमियर में स्पॉट हुईं, जहां फिर से वह सबका ध्यान अपनी और खींचती नजर आईं। इस खास मौके पर काइली अपने बॉयफ्रेंड और हॉलीवुड एक्टर टिमोथी चालमेट के बिना दिखाई दीं। इस इवेंट से अब काइली की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो प्रीमियर नाइट के लिए काइली ने बेहद स्टाइलिश और बोल्ड लुक चुना। उन्होंने रफल्ड डिजाइन वाली स्लीवलेस ब्लाउज पहनी, जिसमें उनका टोन्ड मिडरिफ साफ नजर आया। इस टॉप को उन्होंने सिल्की फैब्रिक से बनी लो–राइज ब्लैक मैक्सी स्कर्ट के साथ स्टाइल किया, जो उनके ग्लैमरस अंदाज को और निखार रही थी। 28 वर्षीय मेकअप मोगुल काइली जेनर इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट के जरिए अपने अभिनय करियर की शुरुआत कर रही हैं। 'द मोमेंट' एक टूर–मॉक्यूमेंट्री है, जो ब्रिटिश सिंगर चार्ली एक्ससीएक्स के करियर के अहम दौर, यानी उनके चर्चित ठत।ज एरा, को दर्शाती है। इस फिल्म को लेकर फैंस और इंडस्ट्री दोनों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। लॉस एंजेलिस के फाइन आर्ट्स थिएटर के बाहर रेड कार्पेट पर काइली और चार्ली एक्ससीएक्स की मौजूदगी ने सभी का ध्यान खींचा। फैशन और फिल्म दोनों ही मोर्चों पर काइली जेनर की यह रात बेहद खास रही, क्योंकि यह न सिर्फ उनके नए प्रोजेक्ट की शुरुआत थी, बल्कि उनके करियर के एक नए अध्याय की भी झलक थी। बता दें, बीते कुछ हफ्तों में काइली, टिमोथी चालमेट के साथ अवॉर्ड सीजन का हिस्सा बनी रही हैं।

'राहा के साथ खुद बच्चे बन जाते हैं रणबीर', आलिया भट्ट ने बताया बेटी राहा को लेकर काफी भावुक हैं अभिनेता

आलिया भट्ट की गिनती मौजूदा वक्त में बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में होती है। आलिया अपने काम के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को भी संतुलित रखती हैं। अक्सर उन्हें पति रणबीर कपूर और बेटी राहा के साथ छुट्टियां मनाते भी देखा जाता है। अब हाल ही में आलिया ने रणबीर कपूर के पिता बनने के अनुभव के बारे में खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि रणबीर अपनी प्यारी बेटी राहा के साथ हर पल खुद बच्चे की तरह व्यवहार करने लगते हैं। एस्क्वायर इंडिया के साथ बातचीत में आलिय भट्ट ने बताया कि मुझे हमेशा से पता था कि रणबीर एक जिम्मेदार पिता बनेंगे। वह जितना दिखाते हैं, उससे कहीं ज्यादा संवेदनशील हैं। वह शर्मीले हैं, इसलिए बहुत कुछ छुपाते हैं। लेकिन राहा के साथ, वह बेहद भावुक हो जाते हैं। उनकी आंखें, उनका चेहरा, सब कुछ चमक उठता है। वह लगभग खुद बच्चे बन जाते हैं। राहा के जन्म के बाद के शुरुआती दिनों को याद करते हुए आलिया ने बताया कि रणबीर ने उनका साथ देने के लिए काम से छुट्टी ली थी। जब वह शूटिंग पर लौटे तो वह शूटिंग खत्म करके दौड़ते हुए घर आते थे। वह सीधे कमरे में राहा को देखने के लिए जाते थे। आलिया ने आगे बताया कि रणबीर बेबी कैमरे पर नजर रखते हैं और राहा के लिए हमेशा मौजूद रहते हैं। चाहे वो सुबह उठे या बाहर से घर लौटे, रणबीर उसके लिए हमेशा तैयार रहते हैं। उनका प्यार साफ दिखता है। वो खुद को रोक नहीं पाते। अपने और रणबीर के रिश्ते के बारे में बात करते हुए आलिया ने बताया कि सोशल मीडिया पर मीम्स और ट्रोलिंग जैसी बातें उन तक नहीं पहुंचतीं क्योंकि वो असलियत नहीं हैं। लोग साढ़े तीन सेकंड या सात सेकंड की तस्वीरों पर प्रतिक्रिया देते हैं। हम सात साल से साथ हैं। लोगों की टिप्पणियों से कहीं ज्यादा समय हो गया है। वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'लव एंड वॉर' को लेकर चर्चाओं में हैं। इसमें उनके साथ पति रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी पाइपलाइन में 'अल्फा' भी है। ये स्पाई–यूनिवर्स की फिल्म है। इसमें उनके साथ शरवरी वाघ और बॉबी देओल भी प्रमुख भूमिका में दिखेंगे।

विटामिन डी की कमी को दूर करने में मदद करेंगे ये फूड्स

शरीर की कार्यप्रणाली को सुचारू रूप से चलाने के लिए कई तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है। मैक्रो व माइक्रो न्यूट्रिएंट्स आपकी बॉडी के लिए बेहद आवश्यक माने गए हैं। इन्हीं महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक है विटामिन डी। यह कैल्शियम को अब्जार्बशन में मदद करता है। जब शरीर में इसकी कमी होती है तो इसका सबसे पहला व सीधा असर हड्डियों पर दिखाई देता है। विटामिन डी की कमी से ना केवल व्यक्ति की हड्डियां कमजोर होती हैं, बल्कि कुछ मामलों में व्यक्ति को सही तरह से चलने में भी समस्या होती है। इस स्थिति में बेहद जरूरी होता है कि आप अपनी डाइट में विटामिन डी की मात्रा बढ़ाएं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बता रहे हैं, जो शरीर में विटामिन डी की कमी को दूर करने में मदद करेंगे–

साल्मन

साल्मन फिश को विटामिन डी का एक अच्छा स्त्रोत माना गया है। इसके अलावा, इसमें प्रोटीन और ओमेगा–3 फैटी एसिड ऐसे अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आप विटामिन डी की मात्रा को बढ़ाना चाहते हैं तो साल्मन का सेवन करना आपके लिए एक अच्छा विचार हो सकता है।

मशरूम

अगर आप वेजिटेरियन हैं और फिश नहीं खाते हैं तो ऐसे में आप मशरूम को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। यह विटामिन डी का एक अच्छा स्रोत है और इससे आपको पोटेशियम भी मिलता है। हालांकि, अलग–अलग तरह के मशरूम जैसे शिटेक, पोर्टोबेलो, मोरेल और चेंटरेल में विटामिन डी लेवल अलग होता है।

अंडे की जर्दी

अक्सर लोग एग व्हाइट खाकर उसका यॉक ऐसे ही छोड़ देते हैं। जबकि आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। अंडे की जर्दी में विटामिन डी पाया जाता है। अंडे में आपके सभी आवश्यक अमीनो एसिड भी होते हैं और ये कोलीन और हेल्दी फैट्स का एक बड़ा स्रोत हैं। इसलिए, हमेशा फ्री–रेंज या पेस्टर्ड अंडे चुनें, क्योंकि उनमें 4 से 6 गुना अधिक विटामिन डी होता है।

केल

केल एक पत्तेदार सब्जी है और इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। यह विटामिन बी और डी का भी एक अच्छा स्रोत है। यह आपके मस्तिष्क के विकास में मदद करता है और साथ ही साथ इससे प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार होता है। केल में मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट शरीर को कई मायनों में लाभ पहुंचाते हैं।

नोट– विटामिन डी की बहुत अधिक कमी होने पर इसके सप्लीमेंट्स व इंजेक्शन भी लगाए जाते हैं। हालांकि, किसी भी सप्लीमेंट का सेवन करने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह अवश्य लें।

कभी खाई है एलोवेरा की बर्फी? एक बार खाएंगे तो बार–बार मांगेगे

एलोवेरा एक लोकप्रिया पौधा है, जिसका उपयोग इसके औषधीय गुणों के लिए किया जाता है। एलोवेरा जेल पत्तियों से निकाला जाता है और कई चीजों के लिए उपयोग किया जाता है, जैसे चेहरे को मॉइस्जराइज करना, बालों के पैक में उपयोग करना और यहां तक कि सनबर्न से छुटकारा दिलाने में यह काफी लाभदायक रहता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा जेल का सेवन करने से आपको ज्यादा फायदा हो सकता है

यह पाचन में सुधार करने में मदद करता है, जोड़ो के दर्द को कम करता है, और आपको अंदर से ठीक भी करता है। कन्फ्यूज हैं कि एलोवेरा जेल का सेवन कैसे करें? इस स्टोरी में आपको बताते हैं एलोवेरा बर्फी की रेसिपी के बारे में, जो ताजे एलोवेरा जेल से तैयार की जा सकती है....

सामग्री

दूध– 1.5 लीटर
एलोवेरा की डंडी– 4–5
चीनी– 100 ग्राम
नारियल का बूरा– 1 कप
देसी घी– 1 छोटा चम्मच
हरी इलायची का पाउडर– 1/2 छोटी चम्मच

एलोवेरा बर्फी बनाने की विधि

1. एलोवेरा को काटे और एक कटोरे में सारा गूदा निकाल लें।
2. ब्लेंडर में एलोवेरा का गूदा डालें और जूस बनाने के लिए ब्लेंड करें।
3. एक बर्तन में दूध डालें और उबाल आने दें। इसमें एलोवेरा का रस डालें और अच्छी तरह से मिला लें।
4. दो मिनट तक पकाएं और बर्तन में चीनी डाल दें। साथ में नारियल का बुरादा में मिला लें।
5. तब तक पकाएं जब तक मिश्रण गाढ़ा होकर पैन के किनारे न छोड़ने लगे।
6. अंत में देसी घी और हरी इलायची पाउडर डालें।
7. गैस बंद कर दें और मिश्रण को पार्चमेंट पेपर बिछाई हुई ट्रे में निकाल लें। फैलाकर बर्फी जैसी मोटाई का एक परत बना लें।
8. इसको 30 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें और फिर टुकड़ों में काट लें।
9. आपकी एलोवेरा की बर्फी तैयार है।

गर्भावस्था में एलोवेरा जूस पीने से होगा शिशु को नुकसान ! पहले ही बरत लें

एलोवेरा त्वचा के साथ–साथ स्वास्थ्य के लिए भी बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। इसमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, क्रोमियम, विटामिन–ई, ए, सी, फोलिक एसिड, विटामिन–बी1, बी2, बी3 और बी6 जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी होते हैं। वैसे तो आप इसका सेवन कर सकते हैं लेकिन क्या गर्भावस्था में एलोवेरा जूस पीना चाहिए? क्योंकि गर्भावस्था महिलाओं के लिए बहुत ही नाजूक दौर माना जाता है, ऐसे में इस दौरान क्या आप एलोवेरा जूस पी सकते हैं आज आपको इसके बारे में बताएंगे। आइए जानते हैं...

क्या पीना चाहिए एलोवेरा जूस?

हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो प्रेग्नेंसी के दौरान एलोवेरा जूस पीने से होने वाली मां और गर्भ में पल रहे शिशु के दोनों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसमें लेटेक्स पाया जाता है जिसके लेक्टेसिव नेचर इंटेस्टाइन में यूट्रीन कंट्रेक्शन और इलेक्ट्रोलाइट को अनियंत्रित कर सकती हैं। गर्भावस्था में यूट्रीन कंट्रेशक्न और इलेक्ट्रोलाइट अनियंत्रित होने के कारण गर्भ में पलने वाले बच्चे के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, गर्भावस्था के शुरुआती दौर में यदि आप एलोवेरा जूस का सेवन करते हैं तो इससे गर्भपात का खतरा भी बढ़ सकता है।

एलोवेरा जूस से होने वाले नुकसान

एलर्जी हो सकती है

गर्भावस्था में महिलाओं के शरीर में हार्मोनल बदलाव होते हैं ऐसे में हार्मोनल बदलाव के दौरान यदि एलोवेरा जूस का सेवन किया जाए तो शरीर में एलर्जी हो सकती है। प्रेग्नेंसी में एलोवेरा जूस पीने से शरीर में खुजली, दाने और सूजन की समस्या हो सकती है।

लूज मोशन

प्रेग्नेंसी में महिलाओं को पाचन संबंधी समस्याएं जैसे पेट में दर्द, कब्ज और उल्टी होती है ऐसे में एलोवेरा जूस पीने से लूज मोशन और डायरिया हो सकता है। इसमें ऐसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो पाचन को खराब कर सकते हैं।

थकान और सिरदर्द

एलोवेरा जूस में ऐसे भी पोषक तत्व मौजूद होते हैं जिनका सेवन करने से थकान, सिरदर्द रह सकता है। इसके अलावा गर्भावस्था में एलोवेरा जूस पीने से मांसपेशियों में ऐंठन भी हो सकती है।

पानी की कमी

गर्भावस्था में एलोवेरा जूस पीने से शरीर का इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस खराब होने लगता है जिसके कारण आपको पानी की कमी की समस्या हो सकती है।

नोट– यदि फिर भी आप प्रेग्नेंसी में एलोवेरा जूस पीना चाहती हैं तो एकबार डॉक्टर की सलाह भी ले लें।

दांत निकालते समय हो रहा है शिशु को दर्द तो काम आएंगे ये तरीके

छोटे बच्चों को खास देखभाल की जरुरत होती है। खासकर जब शिशु 6 से 9 महीने का हो तो वह दांत निकालने शुरु कर देते है। दांत निकालने के दौरान उन्हें मसूड़ों में सूजन, दर्द और जलन जैसी समस्याएं होने लगती हैं। इसके अलावा शिशु को बुखार, उल्टी और दस्त भी हो सकते हैं। इसलिए दांत निकालने के दौरान शिशु को खास देखभाल की जरुरत होती है। ऐसे में पेरेंट्स कुछ घरेलू तरीके अपनाकर शिशु को समस्या से बचा सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में...

दें शहद

जब भी शिशु दांत निकाले तो आप उन्हें शहद का सेवन करवाएं। शहद से उन्हें दांत में होने वाले दर्द से राहत मिलेगी। इसमें एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण मौजूद होते हैं जो दर्द और सूजन कम करने में मदद करते हैं। दो बार आप शिशु को शहद खिला सकते हैं। इसके अलावा आप शिशु की दूध की बोतल के ऊपर भी शहद लगा सकते हैं। वहीं शहद से आप शिशु के मसूड़ों को मालिश भी कर सकते हैं।

टीथिंग रिंग की लें मदद

यदि बच्चे को दांत निकालते समय समस्या हो रही है तो आप उन्हें टीथिंग रिंग दे सकते हैं। इसे चबाने से शिशु को मसूड़े के दर्द से आराम मिलेगा। यह खिलौने एक नरम सामग्री के साथ तैयार किए जाते हैं जो बच्चे के दांत में होने वाले दर्द और परेशानी दूर करने में मदद करते हैं। टीथिंग रिंग देने से पहले कुछ समय आप इसे फ्रिज में रखकर ठंडा कर लें। फिर इसे बच्चे के दें इससे उन्हें दर्द में काफी आराम मिलेगा।

करे मसूड़ों की मालिश

आप शिशु के मसूड़ों की मालिश करके उन्हें दर्द और सूजन से राहत दिलवा सकते हैं। मालिश करने के लिए सबसे पहले अपने हाथों को धो लें, फिर उंगली में तेल लगाकर शिशु के मसूड़ों को हल्का सा दबाते हुए मालिश करें। इससे उनकी दर्द भी दूर होगी और सूजन से काफी आराम मिलेगा।

आराम करने दें

इस दौरान शिशु को काफी दर्द और परेशानी महसूस होती है जिसके कारण वह काफी रोता है ऐसे में आप उन्हें ज्यादा से ज्यादा आराम करवाएं। यदि बच्चा सो रहा है तो कमरे में शांति रखें जितना बच्चा आराम करेगा उतना ही उसे दर्द से आराम मिलेगा और बच्चे के शरीर का विकास भी होगा।

तरल चीजें दें

दांत निकालने पर आप शिशु को किसी तरल पदार्थ का सेवन ही करवाएं। अगर संभव हो पाए तो मां अपने ब्रेस्ट मिल्क को निकालकर बोतल में रखकर कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें।

ठंडा होने पर आप शिशु को इसका सेवन करवाएं। ठंडी चीज देने से भी उन्हें दर्द से काफी आराम मिलेगा।

एकबार डॉक्टर की सलाह भी जरुर ले लें

शिशु को दांत निकालते समय दर्द और कई समस्याएं जैसे उल्टी, बुखार, दस्त भी हो सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में एकबार डॉक्टर की सलाह जरुर ले लें। इसके अलावा यदि इन तरीकों से भी दर्द कम नहीं हो रहा तो डॉक्टर से जरुर पूछें ।

डिनर के बाद वॉक करने से मिल सकते हैं ये बेमिसाल फायदे

आप खुद को चाहें किसी भी रूप से फिजिकली एक्टिव रखें, लेकिन इसका पॉजिटिव असर आपके बॉडी हार्मोन पर नजर आता है। जब आप चहलकदमी करते हैं तो यह आपके ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है और इससे शरीर में हैप्पी हार्मोन बूस्ट होते हैं।

आपने अक्सर लोगों को कहते हुए सुना होगा कि खाना खाने के बाद हल्की चहलकदमी करनी चाहिए। यूं तो नियमित रूप से वॉक करने के कई फायदे मिलते हैं। लेकिन अगर आप खाना खाने के बाद हल्की चहलकदमी करते हैं तो यह विशेष रूप से लाभदायी माना जाता है। हो सकता है कि आप खुद को फिट रखने के लिए घंटों वर्कआउट करते हों, लेकिन इसके बाद भी आपको डिनर के बाद हल्की चहलकदमी की आदत डालनी चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको डिनर के बाद हल्की वॉक करने के कुछ बेमिसाल फायदों के बारे में बता रहे हैं–

हैप्पी हॉर्मोन्स होते हैं बूस्ट

आप खुद को चाहें किसी भी रूप से फिजिकली एक्टिव रखें, लेकिन इसका पॉजिटिव असर आपके बॉडी हार्मोन पर नजर आता है। जब आप चहलकदमी करते हैं तो यह आपके ब्लड सर्कुलेशन में सुधार करता है और इससे शरीर में हैप्पी हार्मोन बूस्ट होते हैं। जिससे आप खुद को अधिक खुश महसूस करने में मदद करते हैं।

पाचन में मददगार

खाने के बाद चहलकदमी करना इसलिए भी अच्छा माना जाता है, क्योंकि यह आपके आहार को बेहतर तरीके से पचाने में मदद कर सकता है। कुछ लोग खाने के बाद तुरंत लेट जाते हैं। लेकिन इससे खाना सही तरह से पच नहीं पाता है। जिससे इनडाइजेशन से लेकर हार्ट बर्न तक कई तरह की समस्याएं शुरू हो जाती है। लेकिन खाने के बाद जब आप हल्की वॉक करते हैं तो इससे भोजन अच्छी तरह से पचता है। यह भोजन से पोषक तत्वों के अवशोषण को भी बढ़ाता है।

क्रेविंग से बचाने में मददगार

आपको शायद जानकर अजीब लगे, लेकिन अगर आप डिनर के बाद वॉक करते हैं तो इससे आपको फूड क्रेविंग्स को मैनेज करने में मदद मिलती है। दरसअल, जब आप रात के खाने के बाद टहलते हैं तो ऐसे में आपको थोड़ी थकान का अनुभव होता है। जिससे आपको नींद आती है और आप जल्दी सो जाते हैं। जिससे आपको क्रेविंग का अनुभव होने की संभावना कम हो जाती है।

वजन घटाने में मददगार

सही आहार के साथ–साथ व्यायाम करने से आपको अपना वजन कम करने में भी मदद मिलती है। रात को हैवी फूड खाने और तुरंत सो जाने से वजन बढ़ने सहित कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

भारत के पांच शहर करेंगे विश्व कप के मैचों की मेजबानी, स्टेडियमों की विशेषता

काउंटडाउन - 07 दिन शेष

भारत में किन स्थानों पर खेले जाएंगे टी20 विश्व कप के मैच

शहर	स्टेडियम
कोलकाता	ईडन गार्डंस
मुंबई	वानखेड़े स्टेडियम
चेन्नई	एमए चिदंबरम स्टेडियम
अहमदाबाद	नरेंद्र मोदी स्टेडियम
दिल्ली	अरुण जेटली स्टेडियम

नई दिल्ली। भारत टी20 विश्व कप की मेजबानी के लिए तैयार है। इस वैश्विक टूर्नामेंट के मुकाबले भारत के पांच शहरों में होंगे। इन शहरों में कोलकाता, दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और चेन्नई शामिल है। आइए जानते हैं इन पांचों स्टेडियम के बारे में... टी20 विश्व कप 2026 का काउंटडाउन अब शुरू हो चुका है। सात फरवरी से भारत और श्रीलंका की मेजबानी में इस टूर्नामेंट का आयोजन होगा। सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम विश्व कप में खिताब का बचाव करने उतरेगी। भारत ने रोहित शर्मा के नेतृत्व में 2024 में टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। भारत अगर ऐसा करने में सफल रहा तो वह पहला देश होगा जो तीसरी बार इस टूर्नामेंट की ट्रॉफी अपने नाम करेगा। 20 टीमें ले रहीं हिस्सा पिछले बार की तरह इस बार भी टी20 विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन सभी टीमों को चार ग्रुप में बांटा गया है जिसमें प्रत्येक ग्रुप में पांच टीमें शामिल हैं। ग्रुप चरण के बाद सुपर आठ चरण होगा। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें इस चरण के लिए क्वालिफाई करेंगी। सुपर आठ चरण में आठ टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा जिसमें प्रत्येक ग्रुप में चार टीमें होंगी। इनमें से दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में जाएंगी जिसके बाद दो टीमें फाइनल मुकाबला खेलेंगी। इस बार जो टीमें इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलेंगी उनमें भारत, नामीबिया, नीदरलैंड्स, पाकिस्तान, अमेरिका, स्कॉटलैंड (बांग्लादेश की जगह), इटली, इंग्लैंड, नेपाल, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, ओमान, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। आठ स्थलों पर होंगे विश्व कप के मैच टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबले भारत और श्रीलंका के आठ स्थलों पर आयोजित होंगे। भारत में कुल पांच स्थानों पर मैच खेलें जाएंगे, जबकि श्रीलंका के तीन स्थलों पर इस वैश्विक टूर्नामेंट के मैच आयोजित होंगे। भारत में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद इस टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी करेंगे। वहीं, कोलंबो का आर प्रेमादासा और एस स्पोर्ट्स क्लब में मैच होंगे, जबकि कैंडी का पल्लेकेले इंटरनेशनल स्टेडियम भी मैच की मेजबानी करेगा। आइए जानते हैं भारत में होने वाले स्टेडियमों के बारे में... दिल्ली का अरुण जेटली स्टेडियम अरुण जेटली स्टेडियम जिसे पहले फिरोज शाह कोटला स्टेडियम के नाम से जाना जाता था। ये नई दिल्ली के मध्य में स्थित है। 1883 में निर्मित इस स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच 1948–49 के सत्र में खेला गया था। हाल के वर्षों में राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के दौरान स्टेडियम में भारी भीड़ देखी गई है।

विश्व कप से पहले अंतिम योजनाओं को परखेगी भारतीय टीम

तिरुवनंतपुरम। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज पांच मैचों की टी20 सीरीज का अंतिम मुकाबला तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा। अगले सप्ताह से टी20 विश्व कप की शुरुआत होनी है, उससे पहले दोनों टीमों के पास अपनी तैयारियों को परखने का यह आखिरी अवसर होगा। न्यूजीलैंड के साथ पांचवां और अंतिम टी20 मैच विश्व कप से पहले भारतीय टीम के पास अपनी योजनाओं को परखने अंतिम मौका होगा। शनिवार को होने वाले इस मुकाबले में सीरीज के परिणाम के लिहाज से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। भारत 3–1 की बढ़त पर है और सीरीज अपने नाम कर चुका है, लेकिन खिताब की प्रबल दावेदार भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतकर बड़े मनोबल के साथ विश्व कप का अभियान शुरू करना चाहेगी। सैमसन की फॉर्म और अक्षर की फिटनेस बनी चिंता विश्व कप से पहले भारतीय टीम की सबसे बड़ी चिंता ओपनर संजू सैमसन की फॉर्म और ऑलराउंडर अक्षर पटेल की फिटनेस है। तिरुवनंतपुरम का ग्रीनफील्ड स्टेडियम सैमसन का घरेलू मैदान है।

उम्मीद है कि घरेलू समर्थन के बीच सैमसन का बल्ला जमकर बोलेगा। वहीं, पहले टी20 में अंगुली चोटिल कराने वाले अक्षर इस मैच के बाद से नहीं खेले हैं। हालांकि उन्होंने शुक्रवार को संजू को अभ्यास कराया। फिट होने पर टीम प्रबंधन उन्हें आजमाना चाहेगा।

सेमीफाइनल का टिकट पक्का करने उतरेगी भारतीय अंडर–19 टीम

बुलावायो। भारत और पाकिस्तान की अंडर–19 टीमों के बीच रविवार को विश्व कप का मैच खेला जाएगा। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिहाज से दोनों टीमों के लिए यह मैच काफी अहम है। पांच बार की चौंपियन भारतीय अंडर–19 टीम का सामना सुपर सिक्स के मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से रविवार को होगा। पाकिस्तान ने विश्व कप से पहले एशिया कप के फाइनल में भारतीय टीम को हराया था और अब आयुष म्हात्रे की अगुआई वाली टीम के पास पाकिस्तान से हिसाब चुकता करने का मौका रहेगा। भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय चल रही है और पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए वह सेमीफाइनल में जगह बना लेगी। क्या बरकरार रहेगी नो हैंडशेक नीति पाकिस्तान ने दिसंबर में अंडर–19 एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को 191 रनों से हराया था। अब भारतीय टीम इसी हार का बदला चुकता करने उतरेगी। माना जा रहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम नो हैंडशेक की नीति बरकरार रखेगी। भारतीय टीम के खिलाफ मैच के दौरान या मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिला रहे हैं। ऐसा ही अंडर–19 एशिया कप के फाइनल में भी देखने मिला था। किस तरह पाकिस्तान को बाहर कर सकता है भारत? सेमीफाइनल के लिए तीन टीमों ने क्वालिफाई कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और इंग्लैंड अंतिम चार में पहुंच चुके हैं और अब सिर्फ एक स्थान शेष है।

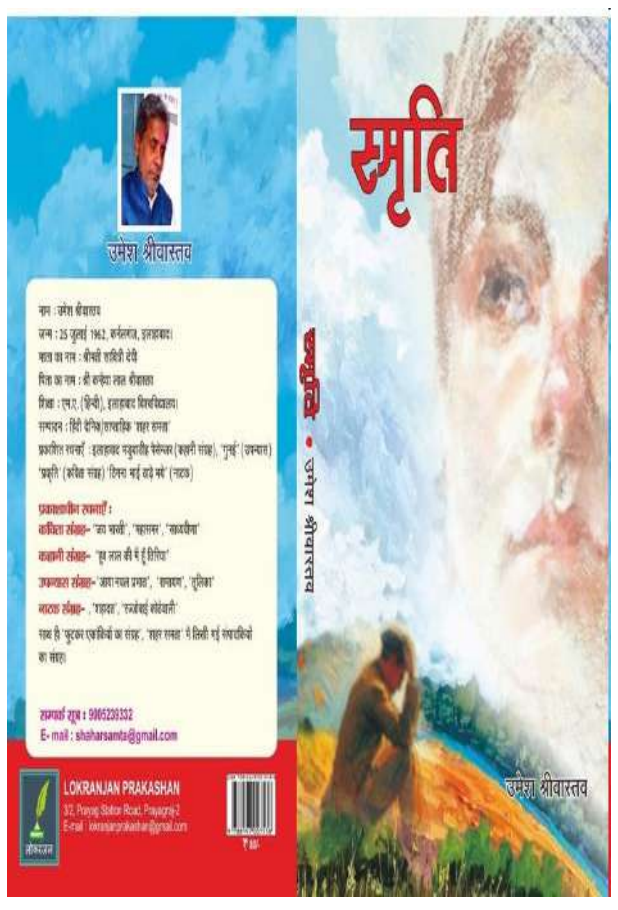

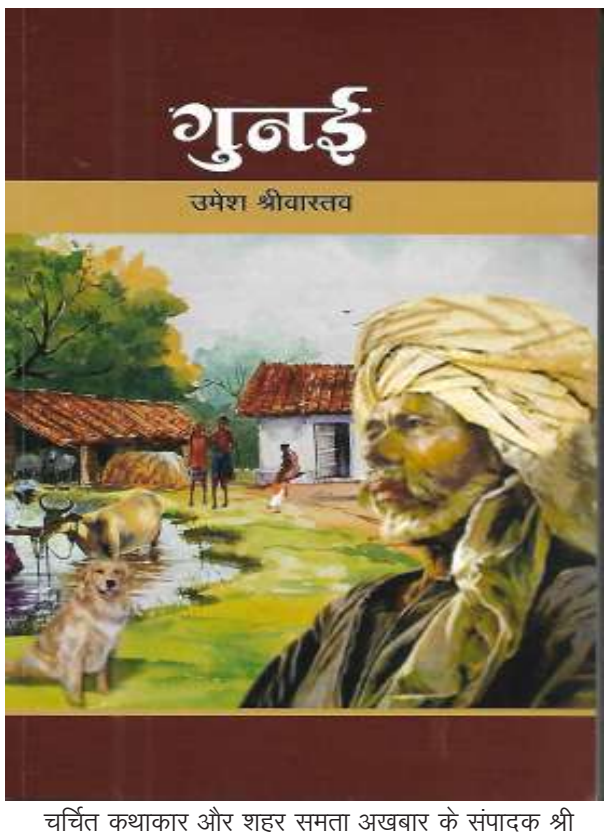

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

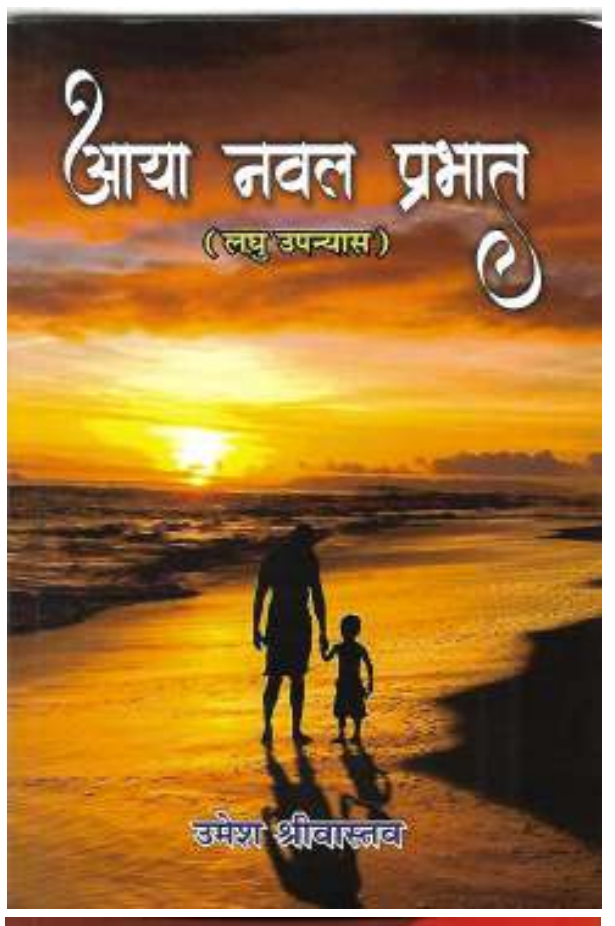

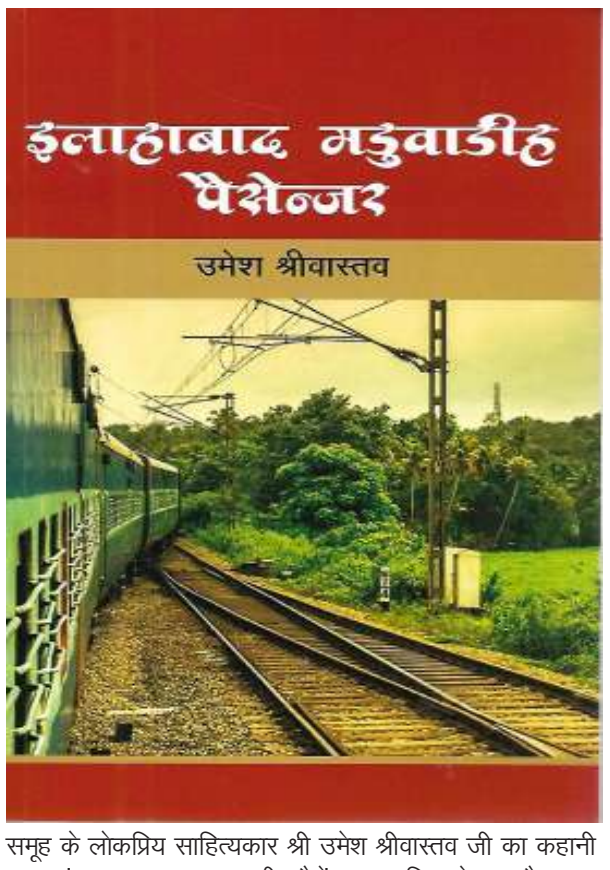

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

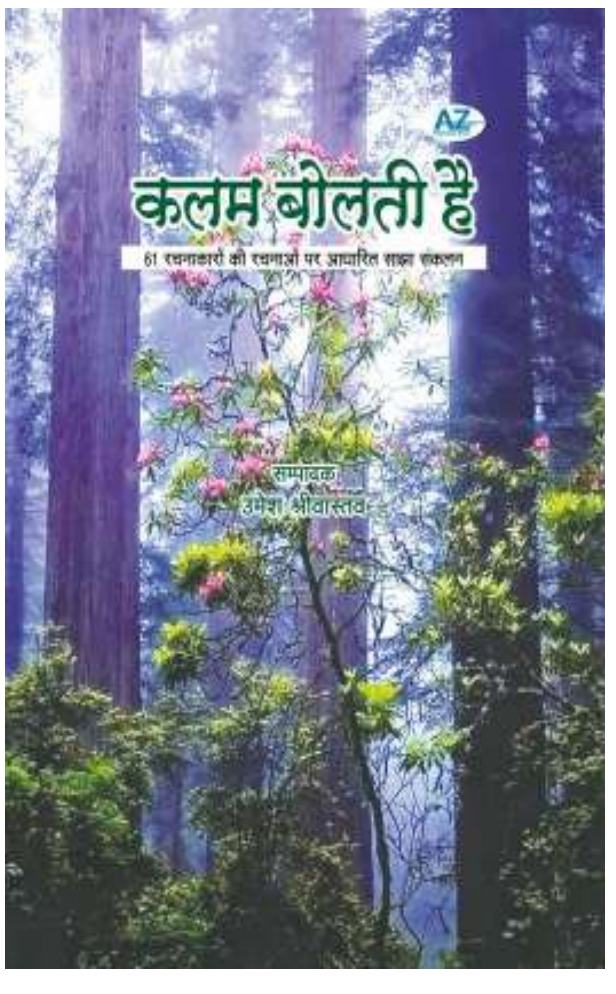

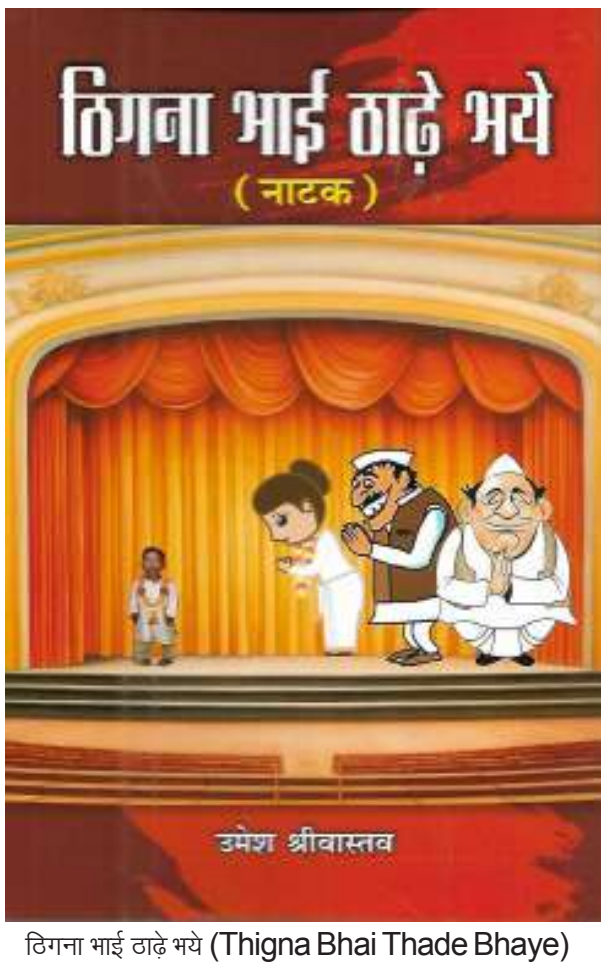

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अल्कराज ने ज्वेरेव को हराकर पहली बार फाइनल में बनाई जगह

ऑस्ट्रेलियन ओपन के इतिहास के सबसे यादगार मुकाबलों में शामिल हो गया है। मेलबर्न के रोड लेवर एरिना में खेले गए पुरुष एकल सेमीफाइनल में विश्व नंबर–1 कार्लोस अल्कराज ने चोट की परेशानी के बावजूद जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को पांच सेटों के लंबे संघर्ष में हराकर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जगह बनाई। बता दें कि यह मुकाबला पांच घंटे 27 मिनट तक चला, जिसमें अल्कराज ने 6–4, 7–6, 6–7, 6–7 और 7–5 से जीत दर्ज की है। तीसरे और चौथे सेट में ज्वेरेव ने जबरदस्त वापसी की और मुकाबले को निर्णायक सेट तक खींचा, वहीं अंतिम सेट में अल्कराज शारीरिक तकलीफ के बावजूद मानसिक मजबूती के साथ खेलते नजर आए। गौरतलब है कि मुकाबले के दौरान अल्कराज को पैर में चोट की समस्या भी झेलनी पड़ी, जिसके कारण उन्हें मेडिकल ट्रीटमेंट लेना पड़ा, लेकिन उन्होंने मैच छोड़ने का विकल्प नहीं चुना है। मौजूद जानकारी के अनुसार, निर्णायक सेट में एक समय अल्कराज ब्रेक से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने लगातार आक्रामक रिटर्न और सटीक शॉट्स के जरिए मैच की तस्वीर बदल दी। इस जीत के साथ 22 वर्षीय अल्कराज अब इतिहास रचने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। यदि वे फाइनल जीतते हैं, तो वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले इतिहास के सबसे युवा खिलाड़ी बन जाएंगे। यह उपलब्धि अब तक राफेल नडाल से भी कम उम्र में हासिल होगी। अब फाइनल में अल्कराज का सामना या तो दो बार के डिफेंडिंग चौंपियन यानिक सिनर से होगा या फिर दस बार के ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता नोवाक जोकोविच से होगा। रविवार को होने वाला यह फाइनल मुकाबला टेनिस प्रेमियों के लिए बेहद खास रहने वाला है, जिसमें नई पीढ़ी और दिग्गजों की टक्कर देखने को मिल सकती है।

फाइनल में सबालेंका बनाम रिबाकिना, पावर टेनिस की जंग

जोरदार शॉट्स, आत्मविश्वास से भरे कदम और बड़े मंच पर दबाव झेलने की काबिलियत ने आर्यना सबालेंका और एलेना रिबाकिना को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के फाइनल में पहुंचा दिया। बता दें कि विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका ने सेमीफाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को महज 76 मिनट में 6–2, 6–3 से हराया। यह मुकाबला जितना स्कोरलाइन में आसान दिखता है, उतना था नहीं। गौरतलब है कि स्वितोलिना पहली बार इस चरण तक पहुंची थीं और उन्होंने रक्षात्मक खेल से आगे बढ़ते हुए आक्रामक अंदाज भी दिखाया, लेकिन सबालेंका की ताकत और निरंतरता के सामने वह टिक नहीं सकीं। मौजूद जानकारी के अनुसार, सबालेंका की औसत पहली सर्विस स्पीड 175 किलोमीटर प्रति घंटा रही, जो स्वितोलिना की अधिकतम रफ्तार के बराबर थी। चौथे गेम में मिले ब्रेक के बाद सबालेंका ने मैच पर पकड़ बना ली और 29 विनर्स के साथ केवल 15 अनफोर्स्ड एरर करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। दूसरे सेट में शुरुआती झटके के बावजूद उन्होंने लगातार छह गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ वह मार्टिना हिंगिस के बाद लगातार चार ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन गई। दूसरी ओर, दिन के दूसरे सेमीफाइनल में कजाखस्तान की एलेना रिबाकिना ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को 6–3, 7–6 के कड़े मुकाबले में हराया। यह मैच पूरे 100 मिनट तक चला और आखिरी टाईब्रेक तक सांसें थामे रखने वाला रहा। रिबाकिना ने 31 विनर्स लगाए, लेकिन 29 अनफोर्स्ड एरर भी किए, जिससे मुकाबला अंत तक बराबरी का बना रहा। गौरतलब है कि रिबाकिना की औसत पहली सर्विस स्पीड 178 किलोमीटर प्रति घंटा रही, जो पेगुला की सर्वश्रेष्ठ सर्विस के बराबर थी। दूसरे सेट में रिबाकिना को कई मैच पॉइंट मिले, लेकिन पेगुला ने जबरदस्त वापसी की। टाईब्रेक में पिछड़ने के बाद रिबाकिना ने लगातार तीन दमदार पॉइंट जीतकर मैच खत्म किया और फाइनल का टिकट कटाया। बता दें कि दोनों खिलाड़ी पूरे टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं हारी हैं और शनिवार को 2023 के ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल की पुनरावृत्ति देखने को मिलेगी। उस मुकाबले में सबालेंका ने तीन सेट में जीत दर्ज की थी। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए एक बार फिर पावर और धैर्य की जंग तय मानी जा रही है, जिसमें दुनिया की दो सबसे आक्रामक खिलाड़ियों के बीच खिताब का फैसला होगा।

कोई पार्टनरशिप नहीं बनी

गुजरात जायंट्स (जीजी) से अपनी टीम की हार के बाद, मुंबई इंडियंस (एमआई) की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि बल्लेबाजों के समर्थन की कमी और खराब फील्डिंग के कारण उनकी टीम एलिमिनेटर में सीधे स्थान पाने से चूक गई। एमआई के खिताब बचाने की उम्मीदें और भी कमजोर पड़ गईं जब गुजरात जायंट्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगातार आठ मैचों की जीत का सिलसिला तोड़ते हुए एलिमिनेटर में जगह बना ली। अब दो बार की चौंपियन मुंबई इंडियंस को एलिमिनेटर में पहुंचने के लिए यूपी वॉरियर्स की जीत पर निर्भर रहना होगा। 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, हरमनप्रीत ने 48 गेंदों में 82' रन बनाकर लगभग अकेले ही संघर्ष किया, लेकिन उन्हें बल्लेबाजों से बहुमूल्य समर्थन नहीं मिला। मैच के बाद प्रस्तुति देते हुए हरमनप्रीत ने अपनी टीम की बल्लेबाजी के बारे में कहा कि पहले छह ओवरों में हम अपनी बल्लेबाजी की योजना को ठीक से लागू नहीं कर पाए। दुर्भाग्य से, हमने जल्दी ही एक विकेट खो दिया और पर्याप्त रन नहीं बना सके। हम दो मजबूत साझेदारियां बनाने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन अफसोस, आज कोई भी प्रभावशाली साझेदारी नहीं बन पाई। मैं खुद से कहती रही कि मुझे बल्लेबाजी जारी रखनी है। दूसरे छोर पर, मैं निश्चित रूप से सहयोग की तलाश में थी, लेकिन दुर्भाग्य से आज कोई भी वह सहयोग नहीं दे पाया। दबाव वाले मैचों में ऐसा होता रहता है। कभी–कभी टीम अपनी योजनाओं को ठीक से लागू नहीं कर पाती। कुल मिलाकर, यह एक अच्छा मैच था। एमआई की कप्तान ने यह भी स्वीकार किया कि खराब फील्डिंग के कारण उनकी टीम ने कुछ मौके गंवा दिए, लेकिन उन्होंने अपनी बल्लेबाजी लाइनअप के बारे में आशावाद जताया, जो एक अच्छी साझेदारी से मैच का रुख बदल सकती थी। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है हमने करीब 16–17 अतिरिक्त रन लुटा दिए, और यही हमें भारी पड़ा। फिर भी, हमारी बल्लेबाजी बहुत अच्छी है।

'निपाह एक दुर्लभ लेकिन गंभीर बीमारी', डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा- इसके मामले सिर्फ भारत तक सीमित

एजेंसी/विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने शनिवार को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि निपाह वायरस के मामले दुर्लभ हैं लेकिन गंभीर भी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि निपाह वायरस के प्रकोप से जुड़े मामले केवल भारत तक ही सीमित हैं। किसी अन्य देश से इनकी सूचना नहीं मिली है। घेब्रेयेसस ने एक्स पर लिखा,ष्पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस संक्रमण के दो मामले सामने आए है। वे 1998 में वायरस की पहली पहचान के बाद से इस राज्य में तीसरे मामले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में अधिकारी 190 से अधिक संपर्कों की निगरानी कर रहे हैं। अभी तक किसी में भी यह बीमारी विकसित नहीं हुई है। उन्होंने आगे लिखा, ष्अधिकारियों ने बीमारी की निगरानी और परीक्षण बढ़ा दिए हैं, स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में रोकथाम और नियंत्रण के उपाय लागू किए हैं। जनता को खुद को सुरक्षित रखने के तरीकों के बारे में सूचित कर रहे हैं।ष्डब्ल्यूएचओ प्रमुख की यह चेतावनी वैश्विक स्वास्थ्य संस्था द्वारा यह कहने के एक दिन बाद आई है कि वायरस के फैलने का जोखिम कम है। किसी भी यात्रा या व्यापार प्रतिबंध की कोई आवश्यकता नहीं है। स्वास्थ्य निकाय ने यह भी कहा था कि मानव से मानव में संक्रमण बढ़ने का कोई सबूत नहीं है, और इसलिए जोखिम कम बना हुआ है। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में निपाह वायरस के दो मामले सामने आए थे। दोनों ही नर्सें थीं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों ने बाद में बताया कि उनकी हालत में सुधार हुआ है। उनकी जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। पुरुष नर्स को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जबकि महिला नर्स को वेंटिलेटर से हटा दिया गया है, लेकिन उन्हें अभी भी निगरानी में रखा गया है। डब्ल्यूएचओ ने एक विज्ञप्ति में कहा, ष्दोनों मामलों में दिसंबर 2025 के अंत में गंभीर एनआईवी संक्रमण के विशिष्ट लक्षण विकसित हुए और उन्हें जनवरी 2026 की शुरुआत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। 21 जनवरी 2026 तक, दूसरे मामले में नैदानिक सुधार देखा गया, जबकि पहला मामला गंभीर स्थिति में रहा। स्वास्थ्य निकाय ने बताया था कि निपाह वायरस चमगादड़ों से मनुष्यों में फैलता है और यह निकट संपर्क या दूषित भोजन के माध्यम से हो सकता है। इस वायरस से जुड़े लक्षण बुखार, मांसपेशियों में दर्द और सिरदर्द हैं, जिससे इसका पता लगाना अधिक कठिन हो सकता है। यदि कोई व्यक्ति इस वायरस से संक्रमित हो जाता है, तो उसे मस्तिष्क में सूजन होने की संभावना होती है और मृत्यु की संभावना 40: से 75: के बीच होती है।

संक्षिप्त

'अमेरिका का कोई भी हमला भड़का देगा क्षेत्रीय युद्ध', ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की ट्रंप को खुली धमकी

दुबई , एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने रविवार को चेतावनी दी कि अमेरिका की ओर से

किया गया कोई भी हमला मध्य पूर्व में श्क्षेत्रीय युद्धश को जन्म देगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्लामी गणराज्य पर सैन्य हमला करने की धमकी दी है, जिस पर खामेनेई के बयान से तनाव और बढ़ गया है। अयातुल्ला अली खामेनेई की ये टिप्पणियां अब तक की उनकी सबसे सीधी धमकी हैं, क्योंकि विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और उससे जुड़े अमेरिकी युद्धपोत अरब सागर में तैनात हैं। गौरतलब है कि ट्रंप ने ईरान में विरोध–प्रदर्शनों पर की गई दमनात्मक कार्रवाई के बाद जंगी बेड़े को भेजा था। खामेनेई के हवाले से कहा गया है, श्अमेरिकियों को यह पता होना चाहिए कि अगर वे युद्ध शुरू करते हैं, तो इस बार यह एक क्षेत्रीय युद्ध होगा।श खामेनेई ने आगे कहा, श्हम उकसाने वाले नहीं हैं और न ही हम किसी देश पर हमला करना चाहते हैं। लेकिन ईरानी राष्ट्र किसी भी ऐसे व्यक्ति को करारा जवाब देगा जो उस पर हमला करेगा या उसे परेशान करेगा। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर बल का इस्तेमाल करेंगे या नहीं। उन्होंने बार–बार कहा है कि ईरान बातचीत करना चाहता है और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को भी एक ऐसे मुद्दे के रूप में उठाया है जिसे वह हल करना चाहते हैं।

'मातृभूमि या मौत', ट्रंप के टैरिफ पर बोले क्यूबा के राष्ट्रपतिय अमेरिका को दी चेतावनी

हवाना (क्यूबा), कैरिबियाई सागर में स्थित देश क्यूबा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आक्रामक नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने गुरुवार (29 जनवरी) को कनाडाई विमानों पर 50 फीसदी

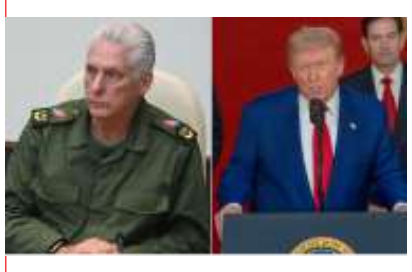

और क्यूबा को तेल देने वाले देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। जिस पर अब क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज कैनेल बर्मुडेज ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। तेल की आपूर्ति करने वाले देशों पर टैरिफ लगाने के अमेरिकी कदम की कड़ी निंदा करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे का मकसद क्यूबा की अर्थव्यवस्था का गला घोंटना है। इसी के साथ उन्होंने इसे वॉशिंगटन की जबरन दबाव बनाने वाली विदेश नीति का हिस्सा करार दिया। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज ने कई बाद कई एक्स कई पोस्ट के जरिए अमेरिका पर निशाना साधा और कहा कि ट्रंप प्रशासन बल प्रयोग के जरिए अपनी विदेश नीति थोपने का खतरनाक तरीका अपना रही है। साथ ही कहा कि यह तय करने की कोशिश करने की भी जा रही है कि कौन से देश क्यूबा के साथ व्यापार कर सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्यूबा इस नए हमले का दृढ़ता, शांति और इस विश्वास के साथ सामना करेगा कि तर्क पूरी तरह से हमारे पक्ष में है। राष्ट्रपति ने अपने पोस्ट में कहा, श्हम अपने देश को ईंधन सप्लाई पर पूरी तरह से नाकाबंदी लगाने के अपने इरादे में क्यूबा के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार द्वारा किए गए नए हमले की कड़ी से कड़ी निंदा करते हैं। ट्रंप प्रशासन बल के इस्तेमाल के जरिए देश की विदेश नीति चलाने और साम्राज्यवादी वर्चस्व सुनिश्चित करने की अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का एक खतरनाक तरीका अपना रहा है। इससे पहले गुरुवार को,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा को तेल की आपूर्ति करने वाले देशों के खिलाफ नए टैरिफ की चेतावनी देते हुए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए , जिससे क्यूबा पर आर्थिक दबाव बढ़ गया। व्हाइट हाउस की ओर से जारी आदेश के मुताबिक किसी ऐसे विदेशी देश के उत्पादों के आयात पर अतिरिक्त मूल्य–आधारित (अनुमानित मूल्य) शुल्क लगाया जा सकता है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से क्यूबा को तेल बेचता है या किसी अन्य तरीके से तेल प्रदान करता है।

कम मजदूरी के कारण बढ़ रहा निवेश, 54 लाख कुल आबादीय हर साल बना रहा 10 लाख कारें

एजेंसी। यूरोप के मध्य में बसे छोटे से देश स्लोवाकिया ने वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग में वह मुकाम हासिल कर लिया है, जिसकी कल्पना कभी पूर्वी यूरोप के समाजवादी दौर में मुश्किल लगती थी। महज 5.4 मिलियन यानी 54 लाख की आबादी वाला यह देश हर साल लगभग 10 लाख कारों का उत्पादन करता है और प्रति व्यक्ति उत्पादन के हिसाब से दुनिया का सबसे बड़ा कार निर्माता बन चुका है। कोरियाई कंपनी किया से लेकर फॉक्सवैगन, स्टेलेंटिस और जगुआर लैंड रोवर तक, वैश्विक कार कंपनियों का भरोसा स्लोवाकिया की अर्थव्यवस्था, श्रम शक्ति और भौगोलिक स्थिति की ताकत को रेखांकित करता है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार उत्तरी स्लोवाकिया के जिलिना शहर के बाहर बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच स्थित किया की विशाल फैक्ट्री इस औद्योगिक सफलता की सबसे जीवंत तस्वीर पेश करती है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ईयू के फैसले से भड़का ईरान, आईआरजीसी पर कार्रवाई के बाद यूरोपीय सेनाओं को आतंकी सूची में डाला

एजेंसी/ ईरान संसद अध्यक्ष ने कहा कि इस्लामी गणराज्य अब यूरोपीय संघ के सभी सैन्य बलों को आतंकवादी समूह मानता है। इसके साथ ही ईरान संसद में अमेरिका मुर्दाबाद और इस्राइल मुर्दाबाद के नारे भी लगे। ईरान की संसद अध्यक्ष ने रविवार को कहा कि इस्लामी गणराज्य अब यूरोपीय संघ के सभी सैन्य बलों को आतंकवादी समूह मानता है। मोहम्मद बगेर कलीबाफ की यह टिप्पणी पिछले सप्ताह यूरोपीय संघ द्वारा ईरान के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड को देश में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर खूनी दमन में उसकी भूमिका के लिए एक आतंकवादी समूह के रूप में सूचीबद्ध करने के समझौते के बाद आई है। कलीबाफ ने इस घोषणा के लिए 2019 के एक कानून का हवाला दिया। यह कानून अमेरिका द्वारा गार्ड को आतंकवादी समूह घोषित करने के बाद पारित किया गया था। यह ईरान को ऐसे किसी भी राष्ट्र के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की अनुमति देता है जो इस निर्णय का अनुसरण करता है। कलीबाफ ने यह घोषणा तब की जब वह और अन्य लोग संसद में गार्ड की वर्दी पहने हुए थे। कलीबाफ गार्ड में कमांडर थे। हालांकि, यह ऐसे समय में हो रहा है, जब मध्य पूर्व में तनाव चरम पर है क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ संभावित सैन्य हमले पर विचार कर रहे हैं । इस्लामिक गणराज्य ने रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य में रविवार और सोमवार को सैन्य अभ्यास की योजना भी बनाई है , जो फारस की खाड़ी का संकरा मुहाना है,जिससे होकर तेल व्यापार का पांचवां हिस्सा गुजरता है। कलिबफ ने कहा कि यूरोप में आतंकवाद के प्रसार में सबसे बड़ी बाधा रही (गार्ड) पर हमला करने की कोशिश करके, यूरोपीय लोगों ने वास्तव में अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है। अमेरिकियों के प्रति अंधी आज्ञाकारिता के माध्यम से एक बार फिर अपने ही लोगों के हितों के खिलाफ फैसला किया है। इसके बाद सत्र में उपस्थित सांसदों ने अमेरिका मुर्दाबाद! और ष्साइल मुर्दाबाद! के नारे लगाए।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना की बड़ी कार्रवाई, 92 आतंकी ढेर, 15 सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। सेना ने रविवार को जानकारी दी कि अलग–अलग मुठभेड़ों में कम से कम 92 आतंकवादी मारे गए हैं। इस संघर्ष में पाकिस्तान के 15 सैनिकों ने भी अपनी जान गंवाई।'शनिवार को जातीय बलूच समूहों से जुड़े आतंकियों ने कई जगहों पर हमले किए थे। इसके जवाब में सेना ने यह कार्रवाई शुरू की। आतंकियों ने क्वेटा, ग्वादर, पंजगुर और पसनी जैसे इलाकों में शांति बिगाड़ने की कोशिश की थी। सुरक्षा बलों और पुलिस ने हाई अलर्ट पर रहते हुए तुरंत मोर्चा संभाला और आतंकियों की साजिश नाकाम कर दी। सेना ने पूरे बलूचिस्तान में कई जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान तीन आत्मघाती हमलावरों समेत 92 आतंकियों को मार गिराया गया। आतंकियों ने आम लोगों को भी निशाना बनाया। उनके हमलों में महिलाओं, बच्चों और मजदूरों समेत 18 नागरिकों की मौत हो गई। सेना ने बताया कि पंजगुर और हरनाई जिलों में टीटीपी के 41 आतंकी भी मारे गए हैं। पिछले दो दिनों में कुल 133 आतंकी खत्म किए जा चुके हैं। प्रभावित इलाकों में अब भी अभियान चल रहा है। सेना ने कहा है कि इन कायरतापूर्ण हमलों के पीछे शामिल लोगों और उनके मददगारों को कड़ी सजा मिलेगी। नेशनल एक्शन प्लान के तहत आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए यह अभियान पूरी रफ्तार से जारी रहेगा। बलूचिस्तान में पिछले कुछ वर्षों से हिंसा काफी बढ़ गई है। सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज (सीआरएसएस) ने जनवरी की शुरुआत में बताया कि हाल के वर्षों में बलूचिस्तान में हिंसा बढ़ी है, पिछले साल प्रांत में मरने वालों की संख्या 787 से बढ़कर 956 हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग 22 प्रतिशत ज्यादा है। इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाक इंस्टीट्यूट फॉर पीस स्टडीज के अनुसार, 2025 में पूरे पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों और हिंसा में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, और इस साल देश भर में 699 आतंकवादी घटनाएं दर्ज की गईं।

'मदद न मांगें तब तक विरोध प्रदर्शनों में दखल न दें', तनाव के बीच फेडरल एजेंट्स को ट्रंप का आदेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इन दिनों फेडरल एजेंसियों के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। मिनियापोलिस में तनाव बढ़ा हुआ। संघीय अधिकारों की आव्रजन संबंधी कार्रवाई की कार्यशैली सवालों के घेरे में हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फेडरल एजेंट्स को डेमोक्रेट शहरों में विरोध प्रदर्शनों से दूर रहने का आदेश दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) को निर्देश दिया है कि जब तक डेमोक्रेट–शासित शहर फेडरल मदद न मांगें, तब तक वे विरोध प्रदर्शनों में दखल न दें। ट्रंप का यह आदेश मिनियापोलिस शहर में संघीय एजेंटों की कार्रवाई के दौरान दो लोगों की मौत के बाद हफ्तों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद दिया गया है। रिपब्लिकन पार्टी के ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर कहा कि उन्होंने डीएचएस सचिव क्रिस्टी नोएम को निर्देश दिया है कि डेमोक्रेट शासित शहरों में विरोध प्रदर्शनों के संबंध में श्हम किसी भी परिस्थिति में भाग नहीं लेंगे, जब तक कि वे हमसे मदद न मांगें।श हालांकि उन्होंने लिखा कि आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईईसी) और बॉर्डर पेट्रोल संघीय इमारतों की सुरक्षा के लिए आक्रामक रूप से कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, श्हमारे अधिकारियों के चेहरे पर थूकना मना है, हमारी गाड़ियों की हेडलाइट्स पर मुक्के मारना या लात मारना मना है, और हमारी गाड़ियों या हमारे देशभक्त योद्धाओं पर पत्थर या ईंट फेंकना मना है।

अगर ऐसा कोई करता है, तो उसे समान या इससे भी गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।श उन्होंने आगे कहा, श्हम अपने न्यायालयों, संघीय भवनों या हमारी सुरक्षा के अंतर्गत आने वाली किसी भी चीज को किसी भी तरह से क्षतिग्रस्त नहीं होने देंगे। मिनेसोटा राज्य के मिनियापोलिस में आव्रजन प्रवर्तन अभियान चला रहे सीमा गश्ती अधिकारियों की गोली लगने से नर्स एलेक्स प्रीटी की हत्या को लेकर व्यापक आक्रोश के बीच प्रदर्शन हो रहे हैं। इस मौत ने 7 जनवरी को गाड़ी चलाते समय गोली मारकर हत्या की गई रेनी गुड की मौत के बाद प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि ट्रंप ने पिछले साल डेमोक्रेट शासित राज्यों और शहरों (शिकागो, लॉस एंजिल्स और पोर्टलैंड) को निशाना बनाते हुए आव्रजन पर सख्ती बरती और कहा था कि अपराधियों को अमेरिका से बाहर निकालने के लिए सैन्य अभियान जरूरी थे। इधर, मिनेसोटा राज्य के सबसे बड़े शहर मिनियापोलिस में की गई कार्रवाई संघीय अधिकारियों के अनुसार अब तक के सबसे बड़े संघीय आव्रजन प्रवर्तन अभियान का हिस्सा है, जिसमें लगभग 3,000 एजेंट तैनात किए गए हैं। यह अभियान नवंबर में शुरू हुआ था और अधिकारियों का कहना है कि यह आंशिक रूप से सोमाली मूल के निवासियों से जुड़े धोखाधड़ी के आरोपों से संबंधित है।

ईरान के बंदर अब्बास में विस्फोट, 4 साल की बच्ची की मौतय ड्रिल से पहले बढ़ा तनाव

(ईरान), एजेंसी। ईरान के प्रमुख बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में एक रिहायशी इमारत में हुए जोरदार विस्फोट से अफरा–तफरी मच गई। इस हादसे में 4 साल की एक बच्ची की मौत हो गई, जबकि कम से कम 14 अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह घटना ऐसे समय पर हुई है, जब ईरान एक दिन बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक अभ्यास करने वाला था जिस पर अमेरिका की भी करीबी नजर बनी हुई है। स्थानीय मीडिया में सामने आए वीडियो में देखा गया कि राहतकर्मी मलबे से घायलों को बाहर निकाल रहे हैं। फुटेज में एक सुरक्षा बल के सदस्य को स्ट्रेचर पर ले जाते हुए भी दिखाया गया, जिनकी हालत गंभीर बताई गई। हालांकि, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने किसी वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारी के घायल होने की खबरों का खंडन किया है। ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, स्थानीय फायर विभाग के एक अधिकारी ने विस्फोट की वजह गैस रिसाव को बताया है। शुरुआती जांच में इसे आतंकी हमला या सैन्य घटना से जोड़कर नहीं देखा जा रहा, लेकिन समय और स्थान को लेकर सवाल जरूर उठ रहे हैं। बंदर अब्बास, होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित है वही जलमार्ग जिससे दुनिया का करीब 20 प्रतिशत तेल व्यापार गुजरता है। अमेरिका पहले ही ईरान को चेतावनी दे चुका है कि वह इस जलडमरूमध्य में उसके युद्धपोतों या वाणिज्यिक जहाजों को किसी तरह का खतरा न पहुंचाए। इसी दिन ईरान के दक्षिण–पश्चिमी शहर अहवाज में भी एक अन्य गैस विस्फोट की खबर सामने आई, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई। लगातार हो रही इन घटनाओं ने देश के भीतर सुरक्षा और बुनियादी ढांचे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह विस्फोट ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में संकेत दिए थे कि ईरान में प्रदर्शनकारियों के दमन या बड़े पैमाने पर फांसी की स्थिति में सैन्य कार्रवाई पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान के साथ बातचीत की संभावनाएं अभी खत्म नहीं हुई हैं। ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारिजानी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि "वार्ता के ढांचे पर काम आगे बढ़ रहा है," लेकिन ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई पहले ही अमेरिका से सीधी बातचीत से इनकार कर चुके हैं। मिस्र और कतर जैसे देशों ने इस पूरे घटनाक्रम के बीच तनाव कम करने की अपील की है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल–सीसी ने ईरान और अमेरिका के बीच शांतिपूर्ण समाधान पर जोर दिया है, वहीं कतर के प्रधानमंत्री ने तेहरान जाकर क्षेत्रीय तनाव कम करने को लेकर बातचीत की है।

एप्स्टीन दस्तावेज में ट्रंप समेत कई बड़े नाम का जिक्र, अमेरिकी राजनीति में हलचल मचने की संभावना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्याय विभाग ने शुक्रवार को जेफरी एप्स्टीन से जुड़े सरकारी दस्तावेजों का अब तक का सबसे बड़ा पैकेज सार्वजनिक किया। ये दस्तावेज एप्स्टीन फाइल्स पारदर्शिता अधिनियम के तहत जारी हुए, जिस पर खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हस्ताक्षर किए थे। इन फाइलों में ट्रंप का नाम सैकड़ों बार ईमेल, एफबीआई नोट्स और मीडिया क्लिपिंग्स में आता है। 2025 की एक एफबीआई ईमेल चेन में 12 से ज्यादा गुमनाम शिकायतें दर्ज हैं, जिनमें ट्रंप पर एप्स्टीन से जुड़े यौन शोषण के आरोप लगाए गए हैं। लेकिन न्याय विभाग ने साफ कहा कि ये आरोप असत्य, सनसनीखेज और बिना भरोसे के हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।